हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 189 | प्रयागराज, शनिवार 22 अक्टूबर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

यूपी में कोई भी अपराधी स्वच्छंद नहीं, या तो जेल में है या मारा गया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति और पुलिस की सक्रियता का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध समाप्त हो गया है। ऐसे अपराधी या तो जेल में बंद हैं अथवा गिरफ्तारी के दौरान मारे गए। प्रदेश में महिलाएं–बालिकाएं, कमजोर वर्ग और व्यापारी आज सुकून से हैं। हर पर्व–त्योहार शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हो रहा है। समाज में समरसता है। पुलिस स्मृति दिवस के खास मौके पर पुलिस के वीर जवानों के साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मियों को अब तक मिल रहे 200 रूपए साइकल भत्ता को बढाकर 500 रूपए मोटरसाइकल भत्ता देने की घोषणा की, साथ ही, पुलिस विभाग को भी ई–पेंशन पोर्टल की सेवाओं का उपहार दिया। दीवाली से ठीक पहले पुलिस के जवानों के बीच मौजूद मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों की सहूलियत को देखते हुए 5,00,000 रूपए से अधिक के चिकित्सा खर्च प्रतिपूर्ति की स्वीकृति पुलिस महानिदेशक स्तर से होने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अभी तक इसके लिए शासन स्तर पर कार्यवाही होती थी, जिससे अनावश्यक विलम्ब होता था, अब ऐसा नहीं होगा। रिजर्व पुलिस लाइन, लखनऊ में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने श्श्रीमद्भगवतगीता में वर्णित हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम के महान संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे वीर जवानों ने गीता से महान प्रेरणा लेते हुए देश और प्रदेश की बाह्य व आंतरिक सुरक्षा सुढ़ रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। आज का दिन उनके इसी निष्ठा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का है। उन्होंने कहा कि 2021–22 में उत्तर प्रदेश के 7 जांबाज पुलिसकर्मी कर्तव्य की वेदी पर शहीद हो गए। शहीदों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिसकमियों के आश्रितों को आश्वस्त किया कि सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनकी हर संभव मदद करेगी। सीएम ने कहा कि हमारे पुलिस बल ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपना काम जारी रखा है। कोरोना के बीच अभूतपूर्व परिश्रम कर जहां नियमों का पालन किया, वहीं मानवता की मिसाल भी पेश की। कोरोना पॉजिटिव भी हुए लेकिन सेवापथ नहीं छोड़ा। इस दौरान 45 पुलिसकर्मियों का देहांत भी हुआ, जिनके परिजनों को नियमानुसार नौकरी व 22 करोड़ 50 लाख का भुगतान भी किया गया। यही नहीं, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, भारतीय सेना आदि में सेवारत उत्तर प्रदेश मूल के शहीद 581 जवानों के आश्रितों को 141.9 करोड़ की सहायता राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए अब तक 44 अरब 59 करोड़ की संपत्ति जब्त अथवा ध्वस्त की गई है। यहां अब बेटियों के लिए स्कूल अथवा गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। सीएम ने कहा कि 30 मार्च 2017 से 13 अक्टूबर 2022 तक प्रदेश भर 166 दुर्दांत अपराधी मारे गए, जबकि 4,453 घायल हुए। 58,648 पर गैंगस्टर की कार्रवाई हुई और 807 पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई। 50 कुख्यात माफियाओं और उनके सदस्यों की लगभग 2268 करोड़ रूपए की संपत्ति जब्त अथवा ध्वस्त की गई।

फिर कर्नाटक पहुंची भारत जोड़ो यात्रा, प्रियंका के शामिल होने की संभावना

बैंगलुरु। राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा का अंतिम चरण शुक्रवार से कर्नाटक में शुरू होगा। यात्रा आंध्रप्रदेश के मंत्रालय से कर्नाटक के रायचूर जिले में प्रवेश करेगी। इस बीच पार्टी सूत्रों के मुताबिक शनिवार को प्रियंका गांधी वाड्रा के भी यात्रा में शामिल होने की संभावना है। यात्रा आंध्र प्रदेश के मंत्रालय मंदिर सर्किल से सुबह छह बजे शुरू हुई और यह कर्नाटक के रायचूर जिले के गिलसेगुर में सुबह 10 बजे प्रवेश कर गई। कांग्रेस नेता गांधी जिले में तीन दिन तक पदयात्रा करेंगे। यात्रा तुंगभद्रा पुल को पार कर यारागेरा, रायचूर शहर और शक्तिनगर से होकर गुजरेगी। यात्रा के दौरान राहुल गांधी किसानों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर रहे हैं। वह यारागेरा गांव के रंगनाथ स्वामी मंदिर में ठहरे हुए हैं। यात्रा 23 अक्टूबर को तेलंगाना में प्रवेश करेगी। कांग्रेस नेताओं को यात्रा के दौरान 20 से 30 हजार लोगों को इकट्ठा करने की जिम्मेदारी दी गई है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2,000 पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की गई है।

आतंकवाद मानवाधिकार का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता, इंटरपोल की भूमिका बहुत अहम : अमित शाह

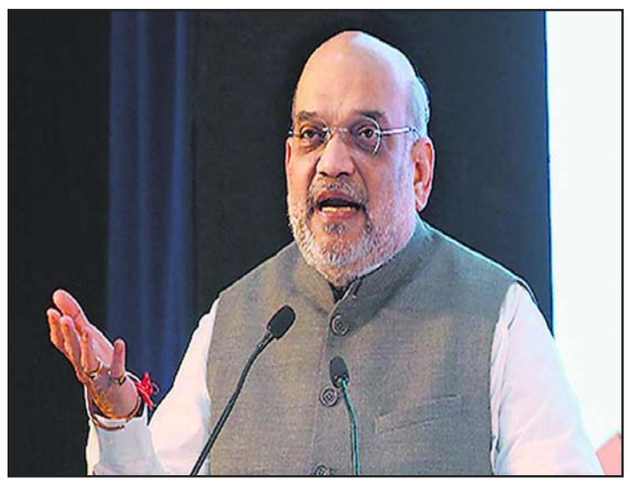

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद मानवाधिकार का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता है। उन्होंने इंटरपोल और इसके सदस्यों से आह्वान किया कि वे सीमा से परे सहयोग के लिए हाथ मिलाएं ताकि सीमा पार आतंकवाद को हराया जा सके। इंटरपोल महासभा के 90वें सत्र को समापन दिवस पर संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आपराधिक गिरोह गठजोड़ करके काम कर रहे हैं और वैश्विक पुलिस और खुफिया एजेंसियों को मिलकर काम करना चाहिए। इंटरपोल महासभा में 164 देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, ''आतंकवाद मानवाधिकार का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता हैकृ अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद, छोटे आतंकवाद और बड़े आतंकवाद की बात साथ–साथ नहीं हो सकती। उल्लेखनीय है कि इंटरपोल महासभा के सत्र का आयोजन नयी दिल्ली में भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। शाह ने कहा कि अपराध की मौजूदा घटनाएं 'सीमा विहीन' हैं और इंटरपोल के सभी सदस्यों को इस चुनौती से निपटने के लिए साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों से निपटने में वैश्विक पुलिस संगठन (इंटरपोल) की भूमिका 'बहुत अहम' है। गृहमंत्री ने कहा कि सीमा पार के आतंकवाद से निपटने के लिए सीमा से परे जाकर सहयोग बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि अच्छे आतंकवाद और बुरे आतंकवाद, छोटे आतंकवाद और बड़े आतंकवाद की बात साथ साथ नहीं हो सकती। ऑनलाइन माध्यम से लोगों को कट्टरपंथी बनाने के मुद्दे पर शाह ने कहा कि इसे राजनीतिक समस्या नहीं करार दिया जा सकता क्योंकि उस स्थिति में इसके खिलाफ लड़ाई आधे–अधूरे मन से होगी। शाह ने कहा कि (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी की सरकार पुलिस को सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने की कोशिश रही है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद और मादक पदार्थ तस्करी के मामलों का राष्ट्रीय डेटाबेस बना रहा है ताकि पुलिस इन सूचनाओं का प्रभावी तरीके से इस्तेमाल कर सके। शाह ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा पुलिस बल की पहली प्राथमिकता है।

शिवराज पाटिल का बयान दुर्भाग्यपूर्ण, माफी मांगें कांग्रेस अध्यक्ष और पाटिल : विहिप

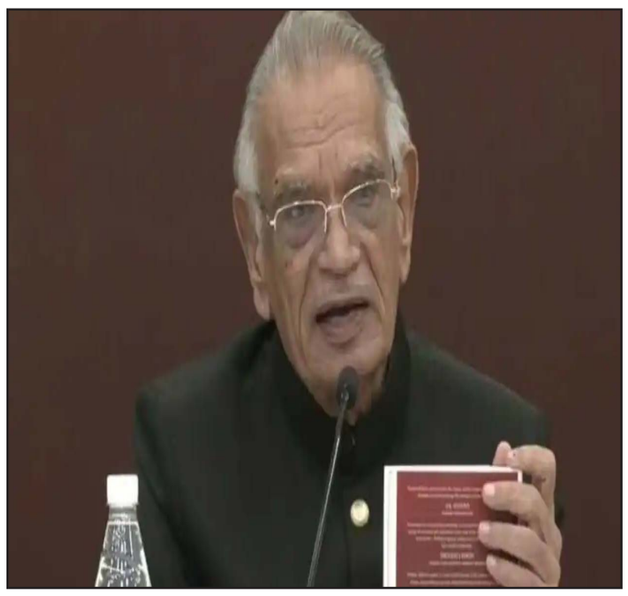

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता शिवराज पाटिल के गीता और जिहाद के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए विश्व हिंदू परिषद ने कांग्रेस अध्यक्ष और शिवराज पाटिल से माफी मांगने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने पाटिल के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह देश की आजादी के बाद की कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है।

चुनावी फायदे के लिए एक धर्म विशेष के तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस ने महात्मा गांधी के राम राज्य की अवधारणा को पूरी तरह से भूला दिया है और अब कांग्रेस की यह हालत हो गई है कि सम्पूर्ण विश्व जिस गीता के अंदर आत्म कल्याण, समाज कल्याण और विश्व कल्याण का मार्ग ढूंढती है, जिसको कर्मयोग का स्रोत बताती है, उस गीता के बारे में शिवराज पाटिल जैसे नेता इस तरह का दुर्भाग्यपूर्ण बयान देते हैं। जैन ने कांग्रेस, राहुल गांधी और शिवराज पाटिल पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बयान से एक बार फिर यह साबित हो गया कि इनके नेता का मंदिर–मंदिर जाना सिर्फ एक ढकोसला है और कांग्रेस नेता तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न गीता को समझती है और न ही जिहाद को। वहीं विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने शिवराज पाटिल के बयान को निंदनीय, शर्मनाक और कांग्रेस की ताबूत में आखिरी कील ठोंकने वाला करार देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष और शिवराज पाटिल से माफी मांगने की मांग की।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख को जमानत देने से अदालत का इनकार

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने कथित भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामले में जांच कर रहा है। देशमुख (71) ने बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा धनशोधन मामले में उनके खिलाफ दर्ज प्रवर्तन निदेशालय के मामले में 4 अक्तूबर को जमानत दिये जाने के बाद इस मामले में भी जमानत याचिका दाखिल की थी। सीबीआई की विशेष अदालत के न्यायाधीश एस. एच. ग्वालानी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उनकी याचिका खारिज कर दी। अदालत का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता को 2021 में दो नवंबर को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त सिंह द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की सीबीआई जांच के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद देशमुख ने अप्रैल 2021 में गृहमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

केदारनाथ मंदिर में दर्शन के बाद चमोली के बदरीनाथ धाम पहुंचे प्रधानमंत्री

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिला में केदारनाथ मंदिर में दर्शन के बाद चमोली में बदरीनाथ धाम पहुंचे और भगवान विष्णु की पूजा–अर्चना शुरू की। राज्य की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी विभिन्न विकास परियोजनाओं का जायजा लेंगे और कुछ नयी परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चमोली जिले में स्थित नर और नारायण पर्वतों के बीच स्थित विष्णु के धाम पहुंचने पर प्रधानमंत्री का तीर्थ पुरोहितों तथा अन्य लोगों ने स्वागत किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर बदरीनाथ मंदिर को पीले और नारंगी फूलों से सजाया गया है। मंदिर के पुजारी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि विधान से प्रधानमंत्री की पूजा संपन्न करवा रहे हैं। मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना करने के बाद मोदी बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत हो रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके अलावा, वह बदरीनाथ के निकट स्थित सीमांत माणा गांव में सड़क और रज्जूमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे और लोगों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री रात्रि विश्राम बदरीनाथ में करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का यह दूसरा बदरीनाथ दौरा है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने रुद्रप्रयाग जिला में प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में पूजा की थी। मोदी के दौरे के मद्देनजर केदारनाथ मंदिर को कई क्विंटल फूलों से सजाया गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा पहने गए सफेद रंग के पहाड़ी परिधान और पहाड़ी टोपी ने सबका ध्यान अपनी ओर खासतौर पर आकृष्ट किया।

केदारनाथ में पीएम मोदी ने पहनी खास ड्रेस, हिमाचल की महिला ने खुद हाथ से बनाकर किया गिफ्ट

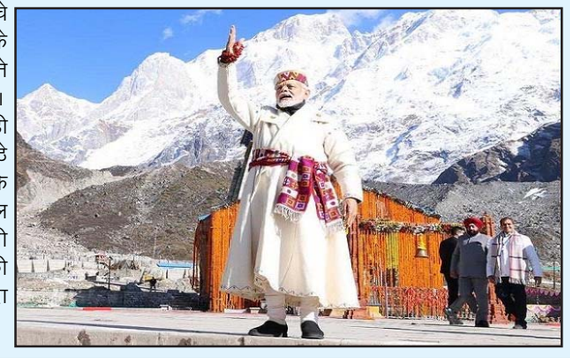

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को उत्तराखंड के केदारनाथ धाम पहुंचे जहां उन्होंने भगवान शिव की पूजा–अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर के पुजारियों ने विधि–विधान से उनकी पूजा संपन्न कराई। इस दौरान, पुजारियों ने भगवान से प्रधानमंत्री को देश को आगे ले जाने के लिए शक्ति देने की कामना की। इस दौरान पीएम मोदी द्वारा पहने गए सफेद रंग के पहाड़ी परिधान और पहाड़ी टोपी ने सबका ध्यान अपनी ओर खासतौर पर आकृष्ट किया। मंदिर में पूजा में बैठे मोदी के परिधान पर ''स्वास्तिक का चिह्न भी दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी ने जो ड्रेस पहनी वह हिमाचल की खास श्चोला डोरा ड्रेस है। इसे हाल ही में एक हिमाचली महिला ने पीएम मोदी को गिफ्ट किया था। चंबा में रहने वाली महिला ने इस ड्रेस को अपने हाथ से बनाया है। इस पर बहुत अच्छी हस्तकला की गई है। पीएम मोदी को जब महिला ने यह ड्रेस गिफ्ट की थी, तो उन्होंने वादा किया था कि जब भी वे किसी ठंडी जगह पर जाएंगे, तो इसे जरूर पहेंनेंगे।

पीएम मोदी अयोध्या में 23 अक्टूबर को करेंगे दीपोत्सव का शुभारंभ

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 23 अक्टूबर को अयोध्या में दूसरी बार आगमन होगा। दीपोत्सव 2022 के मुख्य अतिथि के रूप में आ रहे प्रधानमंत्री मोदी रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला का दर्शन करने के साथ उस ऐतिहासिक मंदिर के निर्माण का भी अवलोकन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी रामलला के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर दीपोत्सव का शुभारम्भ भी करेंगे। पीएम कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दीपावली की पूर्व संध्या पर, प्रधानमंत्री मोदी 23 अक्टूबर को अयोध्या, यूपी का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब 5 बजे भगवान श्री रामलला विराजमान के दर्शन और पूजा करेंगे, इसके बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र स्थल का निरीक्षण करेंगे। शाम करीब 5रू45 बजे वे प्रतीकात्मक भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक करेंगे। लगभग 6रू30 बजे, प्रधान मंत्री सरयू नदी के न्यू घाट पर आरती देखेंगे, जिसके बाद प्रधान मंत्री द्वारा भव्य दीपोत्सव समारोह की शुरूआत की जाएगी। इस वर्ष, दीपोत्सव का छठा संस्करण आयोजित किया जा रहा है, और यह पहली बार है कि प्रधानमंत्री समारोह में व्यक्तिगत रूप से भाग लेंगे। इस अवसर पर 15 लाख से अधिक दीये जलाए जाएंगे। दीपोत्सव के दौरान विभिन्न राज्यों के विभिन्न नृत्य रूपों के साथ पांच एनिमेटेड झांकियां और ग्यारह रामलीला झांकियां भी लगाई जाएंगी। प्रधान मंत्री ग्रैंड म्यूजिकल लेजर शो के साथ–साथ सरयू नदी के तट पर राम की पैड़ी में 3–डी होलोग्राफिक प्रोजेक्शन मैपिंग शो भी देखेंगे।

मध्यप्रदेश में एक साल बाद सत्ता में आने पर किसानों के कर्ज होंगे माफ, पुरानी पेंशन योजना करेंगे लागू : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दावा किया कि राज्य में एक साल बाद कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी और सरकार बनते ही राज्य के किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी। मध्य प्रदेश में नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। छतरपुर के बड़ा मलहरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने कहा, 'हम किसानों के हित में काम करते हैं। जब मैं (18 दिसंबर 2018 से 23 मार्च 2020 में) मुख्यमंत्री था तो मैंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा था कि हमें कागजों को नहीं भरना है किसानों का पेट भरना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में तब किसानों की कर्ज माफी शुरू की थी उसे शिवराज सिंह चौहान की वर्तमान सरकार ने बंद कर दिया। 2018 में कांग्रेस ने किसानों के कर्ज माफ करने के चुनावी वादे पर 15 साल के अंतराल के बाद राज्य में सत्ता में वापसी की थी। हालांकि, कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के वफादारों के विद्रोह के कारण 15 महीने बाद ही मार्च 2020 में गिर गई थी, जो बाद में अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। कमलनाथ ने कहा, ''एक साल बाद कांग्रेस की सरकार बनते ही किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। श्श उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। कमलनाथ ने कहा कि जो अधिकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि एक साल बाद जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तो जनता हर बात का हिसाब लेगी।

सम्पादकीय

रक्षा क्षेत्र का विस्तार

पिछले कुछ वर्षों में हुए नीतिगत बदलावों तथा सरकारी संरक्षण के कारण हमारे देश में रक्षा उद्योग लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण सहयोग मिल रहा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा भी मजबूत हो रही है। क्षेत्र के विकास की अंतहीन संभावनाओं को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा है कि पश्चिमी सीमा पर किसी शरारत का जवाब देने में भारत अब अधिक सक्षम है। रक्षा प्रदर्शनी के बारहवें संस्करण के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने जानकारी दी कि बीते पांच वर्षों में भारतीय रक्षा उद्योग आठ गुना बढ़ा है तथा हम 75 से अधिक देशों को साजो–सामान निर्यात कर रहे हैं। यह उपलब्धि इसलिए विशिष्ट हो जाती है कि भारत आठ साल पहले हथियारों और अन्य वस्तुओं का सबसे बड़ा आयातक था। रक्षा क्षेत्र का विकास आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा मेक इन इंडिया अभियान का महत्वपूर्ण पहलू है। पिछले वित्त वर्ष में 13 हजार करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा साजो–सामान निर्यात हुए हैं और आगामी कुछ वर्षों में इस आंकड़े को 40 हजार करोड़ रुपये करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आयात में कमी आने से जहां एक ओर विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है, वहीं रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति में वैश्विक स्तर पर जारी भू–राजनीतिक हलचलें भी कम बाधा बन रही हैं। आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया है कि जल्दी ही 101 और वस्तुओं की सूची जारी होगी। इसके साथ भारत में बनने वाली चीजों की संख्या 411 तक पहुंच जायेगी। रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के भी आ जाने से निवेश और अनुसंधान के लिए भी राहें खुल रही हैं। देश में निर्मित वस्तुओं को हमारी सेनाएं तो इस्तेमाल कर ही रही हैं, उनके निर्यात से भारत की वैश्विक साख तथा सामरिक प्रभाव में भी बढ़ोतरी हो रही है। जैसा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है, रक्षा प्रदर्शनी इस संबंध में भारत के ठोस संकल्प को इंगित करती है।

अब तक के रुझान स्पष्ट संकेत करते हैं कि भारत को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में बड़ी भागीदारी हासिल करने में रक्षा उद्योग बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। सरकार का लक्ष्य अगले 25 वर्षों में देश को रक्षा निर्माण में एक बड़ी शक्ति बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष पूरे होने से लेकर सौ वर्ष पूरे होने की अवधि को अमृत काल की संज्ञा दी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के साथ रक्षा क्षेत्र के उल्लेखनीय विकास का आह्वान किया है।

आइटी पेशेवर और मूनलाइटिंग

सूचना तकनीक (आइटी) क्षेत्र में मूनलाइटिंग पर बहस जारी है। मूनलाइटिंग के मसले पर बड़े उद्योगपति पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, हाल में इंफोसिस, विप्रो सहित कई बड़ी भारतीय आइटी कंपनियों ने मूनलाइटिंग के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए मूनलाइटिंग में शामिल सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। आइबीएम और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अधिकतर वैश्विक कंपनियों ने भी मूनलाइटिंग को नकारात्मक ही बताया है। हालांकि प्रसिद्ध भारतीय तकनीकी संस्था टेकमहिंद्रा के सीइओ सीपी गुरनानी ने मूनलाइटिंग का समर्थन करते हुए इसे सकारात्मक बताया है। ऐसी परिस्थिति में मूनलाइटिंग का एक तर्कसंगत विश्लेषण आवश्यक हो जाता है। नियमित व्यावसायिक घंटों के बाद दूसरी नौकरी करना मूनलाइटिंग के रूप में जाना जाता है।

इसमें एक पेशेवर आम तौर पर शाम या रात में दूसरी कंपनी के लिए काम करता है। मूनलाइटिंग नयी अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में सदियों से व्याप्त है। किसी सरकारी या निजी अस्पताल में काम करने वाले चिकित्सक अपने आवास या प्राइवेट क्लीनिक पर भी मरीज देखते हैं। शिक्षक विद्यालय के समय के बाद अपने घर पर ट्यूशन देते हैं या फिर एक सफाईकर्मी अपने मुख्य कार्यालय में सफाई के उपरांत दूसरी संस्थाओं में भी सफाई का काम करता है। विभिन्न पेशेवर आजकल अपनी नियमित नौकरियों के अलावा गायन, अभिनय, संगीत, रंगमंच, सोशल मीडिया सहित अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी संलिप्त देखे जाते हैं। ये सभी मूनलाइटिंग के उदाहरण हैं और इन्हें कोई गलत नहीं मानता। फिर आइटी क्षेत्र में ही मूनलाइटिंग को क्यों गलत माना जाए? मूनलाइटिंग के साथ नियोक्ता के लिए निष्ठा और नैतिकता की बहस भी जोरों पर है, लेकिन अधिकतर नियोक्ता कर्मचारियों के हित के बजाय व्यापार लाभ को ज्यादा महत्व देते हैं। उदाहरण के तौर पर, बैजूस ने 12 अक्तूबर को एक ही दिन 25 सौ से ज्यादा कर्मचारियों की सामूहिक छंटनी कंपनी को वर्ष के अंत तक लाभदायक बनाने के नाम पर कर दिया। हमारे देश के बड़े एडटेक स्टार्टअप, जहां पिछले वर्ष ज्यादा वेतन वृद्धि देकर प्रतिभा अधिग्रहण की होड़ लगी थी, में इस वर्ष सामूहिक छंटनी की होड़ लगी है। भारत ही नहीं, पूरे विश्व के आइटी पेशेवर छंटनी से जूझ रहे हैं। बीते 17 अक्तूबर को ही माइक्रोसॉफ्ट ने एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की है। ओरेकल और इंटेल ने भी 12 अक्तूबर को सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी की है।

चाहे वैश्विक आपदा हो या फिर आर्थिक मंदी, सबसे पहले आइटी पेशेवरों को ही नौकरी से निकाला जाता है। वर्ष 1990 के दशक में विश्व इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी छंटनी में कंप्यूटर निर्माता आईबीएम ने लागत में कटौती के नाम पर 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। प्रसिद्ध आइटी कंपनी एचपी 2008 और 2009 में दो बार क्रमशः 24600 और 27000 कर्मचारियों की सामूहिक छंटनी कर चुकी है। कोविड महामारी के शुरुआती दौर में ही लाखों आइटी पेशेवरों को नौकरी से निकाल दिया गया था। जब कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ को निष्ठा और नैतिकता के ऊपर प्राथमिकता दे सकती हैं, तो कर्मचारियों से भी निष्ठा की उम्मीद करना तर्कसंगत नहीं है। हालांकि कई ऐसी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां भी हैं, जिनके लिए कर्मचारियों का हित महत्वपूर्ण होता है।

वैसी कंपनियों में मूनलाइटिंग करने वाले कर्मचारियों का अनुपात नगण्य है, साथ ही बहुत कम कर्मचारी नौकरी छोड़ कर जाते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे देश की सबसे बड़ी आइटी कंपनी टीसीएस में सबसे कम एट्रिशन दर है और उसके कर्मचारी बहुत कम मूनलाइटिंग करते हैं। तथ्यों के अनुसार वैश्विक कंपनियों में एडोबी सबसे ज्यादा कर्मचारियों के हित का ख्याल रखती है, इसलिए उसके कर्मचारी आम तौर पर मूनलाइटिंग करते हुए नहीं पाये गये हैं। मतलब साफ है, निष्ठा पारस्परिक होती है, जो कंपनी अपने सहयोगियों के लिए निष्ठा रखेगी, उसके कर्मचारी भी कंपनी के प्रति निष्ठा रखेंगे। बढ़ती महंगाई में बुनियादी आवश्यकताओं की बढ़ती लागत के कारण जीवन शैली बनाये रखने के लिए कई बार मूनलाइटिंग करना पड़ता है। अनिश्चित माहौल में मूनलाइटिंग आय के दूसरे स्रोत के रूप में सहारा प्रदान करता है। यथार्थ में ज्यादा पैसा कमाने के अलावा मूनलाइटिंग के कई और महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। बहुत लोगों ने कोविड महामारी के कारण लगाये गये लॉकडाउन के कारण बोरियत से बचने के लिए अतिरिक्त काम करना शुरू कर दिया था। कई पेशेवर अपने कौशल को बढ़ाने के लिए समवर्ती रोजगार पकड़ लेते है, जिससे उनकी दक्षता मनचाहे क्षेत्र में बढ़े। लिंक्डइन द्वारा 2018 में संचालित एक अध्ययन के अनुसार, कौशल विकास के अवसरों की कमी तथा नौकरी से असंतुष्टि के कारण लोग नौकरी में बदलाव या अंशकालिक काम की तलाश करने लगते हैं। कई कंपनियों में कनीय या नये भर्ती युवा कर्मचारियों और प्रबंधक जैसे वरीय कर्मचारियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। कनीय और नये कर्मचारियों को कम वेतन के साथ दबाव में नियत कार्यावधि से ज्यादा काम करना पड़ता है। कई कंपनियां अपने कर्मचारियों से वर्षों तक एक ही तरह के काम कराती हैं, जो उबानेवाला होता है। यही नहीं, कर्मचारियों के महत्वपूर्ण प्रयासों को भी सराहना नहीं मिलती। ऐसे में कर्मचारी अलग–थलग महसूस कर ऐसा काम ढूंढने लगते हैं, जहां उनके कार्य और योगदान को पहचान मिले।

युवावस्था में पेशेवरों में अच्छा करने की तमन्ना ज्यादा होती है, जैसे कई युवाओं में स्वयं के उद्यम के लिए नया जोश रहता है। चूंकि स्टार्टअप विफलता दर अधिक है, इसलिए मूनलाइटिंग से मुख्य नौकरी से आय बंद होने की स्थिति में एक विकल्प बना रहता है। आइटी कंपनियों को कर्मचारियों को जोड़ कर रखने के लिये परंपरागत मानव संसाधन तरीकों से हट कर नये पारस्परिक तरीकों को ईजाद करना होगा, जिससे कर्मचारी निष्ठा के साथ जुड़े रहें। **— प्रभात सिन्हा**

आज का राशिफल

मेष :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

बृषभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

कन्या :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :–भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

मीन :–भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

भारत का राजा, पृथ्वी का अकेला ध्वजाधारी!

इस हेडिंग का आपको क्या अर्थ समझ आया? यदि नहीं तो आप दुनिया का नक्शा ले कर ढूंढे कि उसमें भारत के अलावा पृथ्वी पर वह दूसरा कौन सा देश है, जहां का प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या इस्लामी बादशाह देश का धर्मराजा बना हुआ है? शासक धर्म मान्यता की नित नई झांकी दर्शाए होता है! जनता अपने प्रधानमंत्री को ईश्वर का अवतार तथा उसके धर्म–कर्म के अश्वमेध यज्ञों, शाही भव्यताओं से गद्गद होती है! उससे धर्मराज प्राप्त होने के गौरव,सुरक्षा और सतुयगी खुशहाली से अपने को विश्वगुरू समझती है! याद करें त्रेता युग के धर्मनिष्ठ राजा दशरथ और राजा रावण के धर्म व्यवहार को। या तो वह वक्त था या सन् 2021 का वक्त है जब भारत भूमि को वह धर्मराजा प्राप्त है जो कभी केदारनाथ, कभी काशी विश्वनाथ, कभी महाकाल, कभी अयोध्या, कभी दक्षिण, कभी उत्तर, कभी पूरब, कभी पश्चिम में पूजा के वस्त्र धारण किए हुए, ललाट पर चंदन और गले में रूद्राक्ष व माला पहने श्अपनी सत्ता की रक्षा के लिए शिखा धारण कर धर्मध्वजी होने का अभिनय करे।य आखरिी वाक्य में शांतिपर्व से कोट कर रहा हूं।

तभी तुलना करें त्रेतायुग में उन राजा दशरथ और राजा रावण के महा अनुष्ठानों से मौजूदा राजा द्वारा अपने को धर्मध्वजी बतलाने के अनुष्ठानों और चमत्कारों की। क्या हिंदू प्रजा अपने धर्मध्वजी राजा नरेंद्र मोदी से मोटिवेटेड हुए अपने को धन्य नहीं मानती है? क्या इन हिंदुओं के अनुसार मोदी से भारत सोने की चीडियां हुआ और विश्वगुरू नहीं है?

अब राजा और प्रजा की भारत मनोदशा से फिर अमेरिका, यूरोप के राष्ट्रपतियों व प्रधानमंत्रियों से तुलना करें। क्या कही भी कोई ऐसी धर्मध्वजी राजनीति करता मिलेगा? क्या अफीक्री देशों, उनके प्रधानमंत्रियों–राष्ट्रपतियों में कोई अपने आदि कबीलाई धर्मों का ऐसा पालनकर्ता है? क्या सऊदी अरब के बादशाह को मक्का–मदीना के नवनिर्माणों पर इस्लाम की ध्वजा लिए अपने को देवत्व खलीफा बतलाते हुए देखा है? क्या रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च की धर्मानुगत जारशाही के अनुष्ठानों में व्लादीमिर पुतिन को किसी ने पूजा–पाठ करते हुए अंधविश्वासों से जनता को रिझाते देखा है? क्या चाइनीज–कम्युनिस्ट राष्ट्रपति, जापानी प्रधानमंत्री या यहूदियों के प्रधानमंत्री अपनी–अपनी हान, कंफ्यूशियस, बौद्ध या यहूदी सभ्यता के प्राचीन धर्मराष्ट्र को हिंदुओं के नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल, योगी आदित्यनाथ, राहुल गांधी की तरह धर्मध्वजा प्रतीको से अपने को आस्थावान बतला कर जनता को रिझात देखा है?

तभी इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक का भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है, बल्कि वह दुनिया का वह धर्मध्वजाधारी इलाका है जो कलियुगी चमत्कारों और अंधविश्वासों में सांस लेता है। हिंदुओं को 21 वीं सदी में वह राजा, वह राजनीति मिली है, जो काले जादू, काले कपड़ों की मान्यताओं, रीति–रिवाजों, अनुष्ठानों तथा देवत्व की छाप के राजा, राजा की सर्वज्ञता, उसकी एकलता, उसकी अलौकिक शक्तियों से प्रजा को मंत्रमुग्धा बनाती है और उससे राजा अपनी सत्ता की रक्षा और विस्तार करता है। सवाल है आधुनिक काल में राजनीति और राज करने के तरीकघें के भारत के ये फार्मूले कहा से आए, कैसे बने? तो जवाब है भोले हिंदुओं की गुलाम–भक्त बुनावट और चाणक्य द्वारा अज्ञानी प्रजा के हवाले लिए गए सत्ता सूत्रों से। हां, सबका जवाब चाणक्य उफर्ध कौटिल्य लिखित श्अर्थशास्त्रय किताब के सूत्र हैं। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र के तेरहवें अधिकरण में अंधविश्वास और राजनीति के इतने फॉर्मूले राजा को सुझाए थे कि उनमें एक–एक का उपयोग कर प्रधानमंत्री मोदी ने इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में अपना कर अपनी सत्ता का धर्मध्वजा बना डाला है। अर्थशास्त्र के वी, 2 और वी, 3 के सूत्रों में प्रजा को अंधविश्वासों और झूठ में पाल कर कैसे राजनीति हो, इसको बताया गया हैं। इसके कई सूत्र है। जैसे– राजा को अपनी अंदरूनी और बाहरी स्थितियों को मजबूत करने के लिए सामान्य लोगों की अंधमान्यताओं का लाभ उठाना चाहिए।ज् धार्मिक प्रथाएं अंधविश्वास मात्र हैं और शासकों को चाहिए कि वे अपने स्वार्थों के लिए इनसे लाभ उठाएं।ज्लोगों को राजा की सर्वज्ञता और देवता जैसे होने का अहसास कराया जाए।..गुप्तचरों के जरिए अफसरों, दुश्मन लोगों की गतिविधियों का पता लगा कर राजा लोगों के मन पर ऐसी छाप बनवाए कि हमारा राजा तो ऐसा है कि वह अपनी अलौकिक शक्तियों से सबकी सारी बातें जान लेता है।..राजा देवताओं का खास है यह भी प्रचारित हो।ज्वह अपनी अलौकिक शक्ति का परिचय देने के लिए जल में जादू के कुछ करतब भी दिखा सकता है।..आदि, आदि। मतलब नौटंकियाँ कर सकता हैं। धर्म में आस्था न हो लेकिन दिखावा जरूर हो।

हां, कौटिल्य ने राजा को अपने प्रचार के लिए और उसके देवत्व याकि भगवान होने की जनता को प्रतीति (अहसास) कराने के प्रचार में सात तरह के लोगों की सेवा लेने की सलाह दी है। ये लोग हैरू ज्योतिषी, भविष्यवक्ता, मोहूर्कतिक, कथावाचक, ईक्षणिक मतलब भविष्य का शुभाशुभ बताने वाले और गुप्तचर व साचिव्यकर याकि राजा का सहचर। अर्थशास्त्र के सूत्र 103 में पंडितों, पुरोहित वर्ग का महत्व बताते हुए चाणक्य ने लिखा है कि लोकमत बनाने के लिए पुरोहितों की भूमिका असरदार और महत्व की होती है। इससे राजा की अलौकिक शक्तियों याकि छप्पन इंची छाती का जलवा बनाने, विदेश में भी राजा के समक्ष देवताओं के प्रकट होने, राजा द्वारा स्वर्ग से वरदान लिए हुए होने और उसकी विजय अवश्यंभावी की धारणा बनती है। ऐसे ही अपने अफसरों से आकाश से लुआठी दिखा कर और नगाड़े का शोर मचाकर दुश्मन और उसके लोगों की हार तय दिखलाई जाए।

अर्थशास्त्र के तेरहवें अध्याय में विजयेच्छु राजा की अलौकिक शक्तियों के प्रचार के लिए जितने भी सुझाए दिए गए हैं उन सबका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेखूबी उपयोग किया है, कैसे, यह घटनाओं के सिलसिले से अपने आप मालूम होता जाएगा। चमत्कारों का सहारा लेना, सुसंगठित तंत्र द्वारा चतुराई से प्रचार करवा कर राजा की सर्वज्ञता और देवत्व की लोगों पर छाप बनाना, अंधविश्वासों को हवा देना, लोगों के बीच राजा की अलौकिक शक्तियों की भ्रांति बनाने का अनुभव इक्कीसवीं सदी में पृथ्वी पर सिर्फ और सिर्फ हिंदू जनता प्राप्त करते हुए हैं। तभी मेरा मानना है कि भारत आज दुनिया का अकेला धर्मध्वजी शासन व्यवस्था वाला। रामशरण शर्मा की पुस्तक प्राचीन भारत में राजनीतिक विचार में एक अध्याय है।**&gfj'kdj 0;kl**

एंटोनियो गुटेरस की नसीहत

भारत में इस वक्त आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। लेकिन इस तथाकथित अमृतकाल में सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या आम भारतीय के पास गरिमामय जीवन के अधिकार हैं, क्या एक सामान्य भारतीय नागरिक को जो अधिकार संविधान से मिले हैं, वे सुरक्षित हैं, क्या अल्पसंख्यकों, दलितों, मजदूरों, आदिवासियों, गरीबों, महिलाओं, बच्चों और समाज के तमाम कमजोर वर्गों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार हो रहा है। इन सवालों के उठने की वजह ये है कि हर दूसरे दिन कोई न कोई ऐसी खबर आती है जिससे मानवाधिकारों के हनन की गंध मिलती है। पिछले अगस्त माह से गुजरात दंगों की पीड़ित बिलकिस बानो के दोषियों को रिहा करने और उनका स्वागत करने पर सवाल उठ रहे हैं। कई पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्र नेताओं और अल्पसंख्यक समुदायों की आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित करने की घटनाएं बीते महीनों में हुई हैं। दो दिन पहले ही कश्मीर की छायाकार–पत्रकार सना इरशाद मट्टू को अमेरिका जाने से दिल्ली विमानतल पर रोक दिया गया। सुश्री मट्टू को उनके छायाचित्रों के लिए पुलित्जर पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जिसके लिए उन्हें अमेरिका जाना था। ऐसा उनके साथ लगातार दूसरी बार हुआ है। इस बारे में अमेरिकी सांसद एडम स्किफ ने की कि वह इस खबर से परेशान हैं कि सुश्री मट्टू को पुलित्जर पुरस्कार लेने के लिए अमेरिका से रोका गया। उन्होंने कहा कि कहा कि मीडिया को चुप करने और उसका उत्पीड़न करने की कोशिशें खत्म होनी चाहिए। एडम स्किफ की इस टिप्पणी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल की तरह देखा जा रहा है। भारत सरकार इस बारे में अपनी आपत्ति दर्ज कर सकती है, लेकिन सवाल ये है कि आखिर हमारे मामलों में दूसरों को उंगली उठाने का मौका मिल कैसे रहा है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जब भारत को अल्पसंख्यकों, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणियां सुननी पड़ी हैं। मीडिया की आजादी, लोकतंत्र, मानवाधिकार आदि की वैश्विक सूची में हमारी स्थिति लगातार गिर रही है। यह चिंता का विषय है और सरकार को इस पर गंभीरता से आत्मावलोकन की जरूरत है। मगर हर बार ऐसी टिप्पणियों को खारिज करने की कोशिशें की जाती हैं, जिससे समस्या सुलझने की जगह और बिगड़ती जाती है। अब एक बार फिर भारत को ऐसी ही स्थिति से दो–चार होना पड़ा है। आईआईटी बॉम्बे में श्इंडिया एट 75 रू यूएन इंडिया पार्टनरशिप साउथ–साउथ कॉपरेशनश विषय पर बोलते हुए संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि जब भारत अपने घर में समावेशी व्यवस्था और मानवाधिकारों को लेकर मजबूती से प्रतिबद्धता दिखाएगा, तभी उसकी आवाज को वैश्विक मंच पर भी गंभीरता से लिया जाएगा। एक ओर सरकार वैश्विक नेतृत्व में भारत की अहम भूमिका को लेकर दावा कर रही है, लेकिन दूसरी ओर यूएन प्रमुख से ऐसी नसीहत सुनने मिलना, एक बड़ा झटका है।

एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि, भारत मानवाधिकार परिषद में निर्वाचित सदस्य है और उसकी यह जिम्मेदारी है कि वैश्विक मानवाधिकार को दिशा दे और अल्पसंख्यक समेत सभी व्यक्तियों के मानवाधिकारों की रक्षा करे। भारत की बहुविध संस्कृति के बारे में श्री गुटेरस ने कहा कि विविधता एक तरह की संपन्नता है और इससे आपका देश मजबूत होता है। जन्मसिद्ध अधिकार सभी भारतीयों के पास है लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसे हर दिन और हर समाज में मजबूत करने की जरूरत है। वहीं राष्ट्रपिता को याद करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी के मूल्यों पर चलते हुए सभी के अधिकारों और मानवीय गरिमा का सम्मान होना चाहिए। खास कर उनका जो मुश्किल स्थिति में रह रहे हैं। इसके अलावा नफरत भरे बयानों की निंदा करते हुए संरा महासचिव ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा होना चाहिए। एंटोनियो गुटेरस की इन बातों पर हलचल मचनी शुरु हो गई है, जो कि स्वाभाविक ही है। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मानवाधिकारों पर इस तरह नसीहत देने की निंदा करते हुए इसे भारत के लोकतंत्र का अनादर बताया। साथ ही याद दिलाया कि चीन में उइगर मुसलमानों के अधिकारों के हनन पर वे चुप रहते हैं। यह सही बात है कि चीन में उइगर मुसलमानों का शोषण हो रहा है।

और इसकी भरपूर आलोचना होनी चाहिए। लेकिन इससे अपने देश में जो गलत हो रहा है, उसे सही नहीं ठहराया जा सकता। बल्कि सब कुछ ठीक तब होगा, जब हरेक नागरिक के अधिकारों की रक्षा होगी, चाहे वह किसी भी वर्ग, धर्म या संप्रदाय का हो। गौरतलब है कि संरा महासचिव ने केवल भारत की आलोचना नहीं की, बल्कि दुनिया भर में मोदी सरकार की ओर से वैक्सीन पहुंचाने की प्रशंसा भी की। जब हम उनकी प्रशंसा को बिना किसी सवाल के स्वीकार कर सकते हैं। तो फिर उनकी आलोचना को स्वीकार करने का हौसला भी दिखाना होगा। आजादी का अमृत महोत्सव सही मायने में तभी अपनी छाप छोड़ेगा, जब भारत के नागरिकों को संवैधानिक दायरे में हर तरह की आजादी हासिल होगी। उसके बिना यह उपलब्धि भी समुद्र मंथन के अमृत कलश की तरह हो जाएगी, जिसमें कुछ चुनिंदा लोगों को लाभ मिलेगा, बाकी प्रतीक्षा करते रह जाएंगे।

कांग्रेस में नए युग की शुरुआत

कांग्रेस के 137 साल के इतिहास में सिर्फ छह मौके ऐसे आए हैं, जब अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। इन छह मौकों में से तीन मौके पिछले ढाई दशक में आए हैं। पहले 1997 में सीताराम केसरी चुनाव के जरिए अध्यक्ष बने फिर सन 2000 में सोनिया गांधी चुनाव लड़ कर कांग्रेस अध्यक्ष बनीं और अब मल्लिकार्जुन खडगे एक हाई वोल्टेज प्रचार अभियान वाले चुनाव के बाद भारी बहुमत से जीत कर कांग्रेस के अध्यक्ष बने हैं। सोचें, जिस पार्टी को लेकर वंशवाद के सबसे गंभीर और बड़े आरोप लगते रहे हैं उस पार्टी में पिछले ढाई दशक में तीन बार अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ। दूसरी ओर जो पार्टियां आरोप लगाती हैं उनकी स्थापना के बाद से ही कोई चुनाव नहीं हुआ है। हर बार आम सहमति, जिसका मतलब पार्टी के सर्वोच्च नेता की मंजूरी होती है, उससे अध्यक्ष चुने जाते हैं। पार्टियों के सर्वोच्च नेता या तो खुद अध्यक्ष होते हैं या उनकी बैठाई माटी की मूरतें होती हैं। देश और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी में भी अभी तक कभी चुनाव की स्थिति नहीं आई। आज तक ऐसा नहीं हुआ कि एक से ज्यादा व्यक्ति ने नामांकन दाखिल किया हो। बहरहाल, भारतीय राजनीति की इस बुनियादी कमी पर अलग से विचार की जरूरत है। फिलहाल कांग्रेस पार्टी की चर्चा है, जिसको 24 साल के बाद एक गैर गांधी अध्यक्ष मिला है। कोई ढाई दशक के बाद ऐसा हुआ है, जब कांग्रेस की कमान नेहरू–गांधी परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति के हाथ में गई है। इतने ही अरसे के बाद दक्षिण भारत का कोई नेता कांग्रेस का अध्यक्ष बना है। नेहरू–गांधी परिवार के बाहर के और दक्षिण भारत के व्यक्ति का अध्यक्ष बनना कांग्रेस में नए युग की शुरुआत है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सोनिया और राहुल गांधी का असर नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे पर होगा। खुद खडगे ने भी कई बार कहा कि वे गांधी परिवार से सलाह लेने में नहीं हिचकेंगे। यह बहुत स्वाभाविक है क्योंकि सोनिया और राहुल गांधी दोनों कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। सो, पूर्व अध्यक्ष के नाते उनकी हैसियत भी है और उनके पास लंबा अनुभव भी है। इसलिए अगर खडगे उनकी सलाह से लेकर कांग्रेस चलाते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। भाजपा कांग्रेस के नए अध्यक्ष को रिमोट कंट्रोल से चलने वाला बता रही है। यह सिर्फ आलोचना के लिए आलोचना है क्योंकि भाजपा की स्थापना के बाद पिछले 42 साल में जितने भी अध्यक्ष हुए हैं उनमें तीन–चार को छोड़ दें तो बाकी हर नेता से ज्यादा अनुभव और ज्यादा बड़ा कद मल्लिकार्जुन खडगे का है। यह संयोग है या प्रयोग यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन कांग्रेस की राजनीति में दो घटनाएं एक साथ हुई हैं। पहली राहुल गांधी का भारत जोड़ो यात्रा पर निकलना और दूसरी नेहरू–गांधी परिवार से बाहर के एक दिग्गज नेता का कांग्रेस अध्यक्ष बनना। ये दोनों घटनाएं बहुत बड़े मायने वाली हैं। पिछले आठ साल से कांग्रेस की सर्वाधिक आलोचना इस बात को लेकर होती थी कि उसमें पार्टी अध्यक्ष का पद गांधी परिवार के लिए आरक्षित है। भाजपा से तुलना करते हुए पार्टी के नेता अक्सर कहा करते थे कि भाजपा में कोई भी अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में गांधी परिवार का ही कोई व्यक्ति अध्यक्ष बनेगा। इसे लेकर कई तरह के मजाक सुनाए जाते थे। खडगे के अध्यक्ष बनने से इस आलोचना की धार कुंद पड़ जाएगी। चाहे उन्हें रिमोट कंट्रोल्ड अध्यक्ष कहा जाए लेकिन हकीकत यह है कि अध्यक्ष के पद पर गैर गांधी बैठा होगा। खडगे की खासियत यह भी है कि वे किसी राजनीतिक वंश के नहीं हैं। वे दलित समाज से आते हैं और कोई 55 साल पहले उन्होंने एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर कांग्रेस की राजनीति शुरू की थी। कांग्रेस की दूसरी आलोचना राहुल गांधी को लेकर होती थी। अक्सर कहा जाता था कि राजनीति में उनकी रूचि नहीं है, वे अक्सर विदेश चले जाते हैं, वे जमीन पर उतर कर राजनीति नहीं करते आदि आदि। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल ने इन तमाम आलोचनाओं का जवाब दिया है। ये दोनों घटनाक्रम एक साथ हुए हैं इसलिए इनका असर ज्यादा गहरा और दूरगामी होगा।

अब सवाल है कि खडगे के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस में क्या बदलेगा? सबसे पहले तो काम करने का तरीका और कार्य संस्कृति बदलेगी। अब सोनिया और राहुल गांधी आमतौर पर 10, जनपथ या नौ, तुगलक लेन से ही राजनीति करते थे। इसके उलट खडगे कांग्रेस मुख्यालय में बैठेंगे। इसका सबसे बड़ा असर यह होगा कि नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी मुख्यालय में आना जाना बढ़ेगा। खडगे एसपीजी या जेड प्लस सुरक्षा घेरे में रहने वाले नहीं हैं इसलिए पार्टी नेता उनसे सहज तरीके से मिल पाएंगे और अपनी बात कह पाएंगे। उनकी जो नई टीम बनेगी उसके नेता भी उनके साथ सहज होंगे।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, अब 500 रुपया मिलेगा मोटरसाइकिल भत्ता, पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने इस अवसर पर स्मृति परेड की सलामी ली और शोक पुस्तिका भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री जी ने देश के समस्त शहीद पुलिसजनों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवद गीता ने हमें 'हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्, तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृत निश्चयः' की प्रेरणा दी है। इस पवित्र भाव के साथ हमारी सेना, अर्धसेना तथा पुलिस बल के जवान देश की वाह्य तथा आन्तरिक सुरक्षा को बनाये रखने के लिए ध्येय तथा निष्ठा के साथ कार्य करते हैं।

पुलिस स्मृति दिवस देश की आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखने तथा संवैधानिक व्यवस्था के तहत कानून के राज की स्थापना करने वाले जवानों के प्रति नमन का अवसर है। वर्ष 2021–2022 में कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों में उत्तर प्रदेश पुलिस के बहादुर पुलिसकर्मी शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्मिकों को दिये जाने वाले 200 रुपये साइकिल भत्ते को बढ़ाकर, 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शासन ने पुलिस कार्मिकों को ई–पेंशन पोर्टल से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री जी ने 05 लाख रुपये तक का मेडिकल बिल, जो काल बाधित हो जाता था तथा जिसकी स्वीकृति शासन से होती थी, इसके लिए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश को अधिकृत करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे जांबाज पुलिस कर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमें निरन्तर कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेश के शहीद पुलिसजन के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार उनके कल्याण तथा उनकी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये पूर्ण संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए हमेशा तत्पर रही है और आगे भी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसजन ने अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी रात–दिन अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मानकर अपराधों पर नियंत्रण करने, कानून व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखने, प्रदेश में सौहार्द स्थापित करने एवं विशेषकर बालिकाओं तथा महिलाओं की सुरक्षा करने में अपनी सराहनीय भूमिका निभाई है। प्रयागराज कुम्भ–2019, लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2019, त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन–2021 तथा विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने में प्रदेश पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान प्रदेश की जनता की सहायता के लिये सदैव तत्पर रही है। पुलिस कर्मियों द्वारा कोरोना वॉरियर्स के रूप में अभूतपूर्व परिश्रम कर जहां एक ओर नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराया गया, वहीं उनके द्वारा मानवता की सेवा की नयी मिसाल पेश की गयी। पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए कोरोना पॉजिटिव भी हुए लेकिन अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानकर उत्तर प्रदेश पुलिस बल का जवान निरन्तर सेवा में लगा रहा।

एम्स के आसपास सिगरेट गुटखा तंबाकू बेचने वालों की अब खैर नहीं

रायबरेली। शुक्रवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स की बाउंड्री के किनारे स्वस्थ विभाग की छापेमारी से ठेला दुकानदारों में हड़कंप मच गया। तम्बाकू नियंत्रण स्वस्थ विभाग की जिला सलाहकार पूनम व नायाब तहसीलदार रिषी मिश्रा के साथ भारी पुलिस बल को देखते ही दुकानदारों में हड़कंप मच गया। एम्स गेट के सामने सिगरेट, तंबाकू , गुटखा बेचने वाले दुकानदारों को दुकान हटाने की चेतावनी देते हुए चालान काटा गया। जिला सलाहकार पूनम ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ पुलिस विभाग एवं प्रशासन की टीम गठित कर एम्स अस्पताल के बाउंड्री के किनारे गेट के सामने आसपास गुटके तंबाकू की दुकानों को वहां से हटवाए जाने के लिए निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिसके अंतर्गत दुकान हटाने की चेतावनी देते हुए जुर्माने की कार्यवाही की गई। हास्पिटल की बाउंड्री से सौ मीटर की अंतर्गत तंबाकू सिगरेट गुटखा बेचना कानूनी अपराध है। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी डा. अंशुमान सिंह क्षेत्रीय लेखपाल वेद प्रताप सिंह , कार्यवाहक एसओ लक्ष्मी नारायण द्विवेदी मौजूद रहे।

ज्योति हत्याकांड: पति पीयूष और उसकी प्रेमिका समेत छह दोषियों को आजीवन कारावास

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। कानपुर में 27 जुलाई 2014 को हुए जघन्य ज्योति हत्याकांड में शुक्रवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया। एडीजे–प्रथम अजय कुमार त्रिपाठी ने सभी 6 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा सुनाए जाने के दौरान सभी दोषी कोर्ट रूम में रोने लगे। उन्होंने हाथ जोड़कर सजा कम करने की अपील की।जिन 6 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उनमें ज्योति का पति पीयूष श्यामदासानी, उसकी प्रेमिका मनीषा मखीजा,मनीषा का ड्राइवर अवधेश चतुर्वेदी और सुपारी किलर आशीष, सोनू और रेनू हैं। गुरुवार को कोर्ट ने इन 6 आरोपियों को दोषी करार दिया था। जबकि पीयूष की मां और उसके दो भाइयों मुकेश और कमलेश को बरी कर दिया था। मामले में मनीषा मखीजा के वकील ने कहा कि वह सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में जाएंगे। क्योंकि, इस पूरे केस में मेरे क्लाइंट का कोई सीधा संबंध नहीं था।अभियोजन की ओर से फांसी की सजा देने की मांग अपर जिला जज अजय कुमार त्रिपाठी के न्यायालय में शुक्रवार को अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ता दोपहर करीब 12 बजे कोर्ट पहुंचे। सजा के बिंदु पर पहले बचाव पक्ष ने कम से कम सजा देने की बात कही तो अभियोजन की ओर से रेयर ऑफ द रेयरेस्ट का तर्क देते हुए फांसी की सजा देने की मांग की।दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने निर्णय सुनाने के लिए जेल से आरोपितों को तलब किया। दोपहर करीब 1रू22 बजे मनिषा को कड़ी सुरक्षा में कोर्ट लाया गया। इसके बाद एक एक कर अन्य अभियुक्तों को लाया गया। न्यायालय ने सभी की उपस्थिति के बाद सजा सुनाई।

हत्या,हत्या की साजिश और साक्ष्य मिटाने में दोषी करार दिए गए विशेष लोक अभियोजक दामोदर मिश्रा ने बताया सभी को हत्या,साक्ष्य मिटाने और षडयंत्र का दोषी पाया गया था। आरोपित रेनू और सोनू के पास से चाकू बरामद हुआ था,इसलिए दोनों को आर्म्स एक्ट के तहत भी दोषी करार दिया गया था।पुलिस को घटना की जानकारी न देने के आरोप में पीयूष की मां पूनम, भाई कमलेश और मुकेश श्यामदासानी को आईपीसी की धारा 202 के तहत आरोपित किया गया था लेकिन न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में तीनों को बरी कर दिया था।

संक्षिप्त खबरे

भाई के साथ मायके आई महिला गायब

ऊंचाहार। एक सप्ताह पहले अपने भाई के साथ मायके आई महिला गायब हो गई है। मामले की जानकारी तब हुई ।अब उसका पति अपनी पत्नी की बिदाई के लिए मायके पहुंचा। मामले में पति ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर मदद की गुहार लगाई है।

क्षेत्र के गांव हसनगंज निवासी छतरपाल की पुत्री रामकली की शादी सलोन कोतवाली क्षेत्र के गांव कोडरा निवासी जितेंद्र कुमार के साथ हुई है। जितेंद्र का कहना है कि उसकी पत्नी अपने भाई के साथ एक सप्ताह पहले मायके आई थी। शुक्रवार को वह अपनी पत्नी की बिदाई कराने ऊंचाहार आया तो पता चला कि वह मायके में नहीं है। इस बारे में जब उसने अपने ससुर से बात की तो उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की गई है। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर मामले की लिखित तहरीर दी है। कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि मामले परिवारिक विवाद का है । उभय पक्षों को बुलाया गया है।

आज से दीपावली तक होगी निर्बाध कटौती मुक्त विद्युत आपूर्ति, आदेश जारी

रायबरेली। शासन ने इस बार धनतेरस व दीपावली पर्व निर्बाध कटौती मुक्त विद्युत आपूर्ति का आदेश जारी कर दिया है। अब दीपावली में शहर से लेकर गांव तक 24 घंटे कटौती मुक्त विद्युत आपूर्ति होगी। यह आदेश सभी आपूर्ति व पारेषण विभाग को जारी कर दिया गया है।

कटौती मुक्त विद्युत आपूर्ति का आदेश आज से लागू हो गया है जो दीपावली तक चलेगा। निर्बाध कटौती से तीन दिन तक शहर से लेकर गांव जगमग रहेंगे।अधीक्षण अभियंता द्वितीय यदुनाथ राम ने बताया की इस बार धनतेरस से लेकर दीपावली तक निर्बाध कटौती मुक्त विद्युत आपूर्ति का आदेश शासन से जारी हो गया है जिसका अनुपालन कराया जायेगा।

भाजपा नेता के जन्मदिन पर छह अपराधी हुए शामिल,वीडियो वायरल

कानपुर । चकेरी थाने से छह महीने के लिए जिला बदर अपराधी खुले आम अपने इलाके और कानपुर में ही घूम रहा है। भाजपा नेताओं के जन्मदिन पार्टी का जश्न और अपना वीडियो खुद ही सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है। सच्चाई सामने आने के बाद कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के अफसर हरकत में आए, लेकिन इससे पहले शातिर अपराधी फरार हो गया। वहीं आधी रात बाद ताबड़तोड़ दबिश शुरू हुई। हालांकि 24 घंटे बाद भी पुलिस एक भी वांछित को नहीं पकड़ पाई।

चकेरी निवासी संजय केसरवानी उर्फ कल्लू केला शातिर अपराधी है। हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में उस पर केस दर्ज हैं। 15 मई 2022 को वह छह महीने के लिए जिला बदर किया गया था लेकिन वह शहर में ही घूम रहा है।बुधवार रात को श्याम नगर में स्थित एक जिम के बाहर भाजपा नेता चंदन सिंह के जन्मदिन की पार्टी का आयोजन किया गया था। इसमें संजय भी शामिल हुआ। इसके अलावा विक्रम, रिक्की व गोलू चंदेल भी शामिल हुए। इन सभी पर गंभीर मामले दर्ज हैं। कमलकांत नाम एक शख्स भी मौजूद है।जिस पर अवैध शराब बिक्री के केस दर्ज हैं। एटीएम हैकिंग में भी उसका नाम आ चुका है। पार्टी का फेसबुक लाइव किया गया जिसके जरिये पुलिस के उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी हुई। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि मामले में डीसीपी पूर्वी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं। अभी तक सभी फरार हैं। पुलिस अफसरों का कहना है कि आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

जानकीपुरम में अवैध प्लाटिंग को किया ध्वस्त

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष द्वारा शहर में अनाधिकृत निर्माणोंध अवैध प्लाटिंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में शुक्रवार को जानकीपुरम में अवैध प्लाटिंगध्रो–हाउसेस पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।प्रवर्तन जोन–5 के जोनल अधिकारी श्रद्धा चौधरी ने बताया कि पंकज गुप्ता व अन्य द्वारा जानकीपुरम स्थित ग्राम–रसूलपुर, शुक्ला चौराहा, नहर रोड पर लगभग तीस हजार वर्गफुट क्षेत्रफल में बिना तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये अनाधिकृत रूप से भूखण्डों का सृजन करके निर्माणधविकास कार्य कराया जा रहा था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय में वाद संख्या 12ध2020 योजित किया गया था। विहित न्यायालय द्वारा इस अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किये जाने के आदेश दिये गये थे। उक्त आदेशों के अनुपालन में आज इंजीनियर राजीव कुमार श्रीवास्तव व सुशील कुमार वर्मा द्वारा प्राधिकरण पुलिस बल, पीएसी बल व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से प्रश्नगत स्थल ध्वस्त किया गया।

फंदे पर लटका मिला किशोर का शव

रुदौली–अयोध्या। रुदौली कोतवाली क्षेत्र के कोलवा गांव में एक दलित परिवार के 16 वर्षीय अनूप कुमार पुत्र रामधीरज का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना शुक्रवार की सुबह हुई। बताया गया कि घर के लोग धान की कटाई करने खेत चले गए। वापस लौटे तो देखा उनके मानसिक विक्षिप्त बेटे का शव फंदे पर लटक रहा। परिवारीजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव को फंदे से नीचे उतार दिया। ग्रामीणों से पुलिस को जानकारी भी हुई, लेकिन पुलिस का कहना है कि जब तक थाने पर आकर परिजन सूचना नहीं देंगे, तब तक पुलिस मौके पर नहीं जाती है। उधर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने दर्जनों हस्ताक्षरयुक्त पंचनामा तैयार कर शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली थी। पंचनामा में लिखा गया है कि उनका बेटा मानसिक विक्षिप्त था इसलिए वे कार्रवाई नहीं करना चाहते। ऐसे में पोस्टमार्टम बगैर अंतिम संस्कार कर दिया।

राम की पैड़ी पर दीए बिछाने में जुटे अवध विवि के स्वयंसेवक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से राम की पैड़ी के घाटों पर स्वयंसेवकों द्वारा जयघोष के साथ दीयों को बिछाना शुरू कर दिया गया। स्वयंसेवकों को घाटों पर ले जाने के लिए प्रातः 8 बजे विश्वविद्यालय परिसर से दर्जनों की संख्या में बसों को लगाया गया। जो कई राउंड में पांच हजार स्वयंसेवकों को लेकर राम की पैड़ी पर पहुँची और घाट समन्वयकों की देख–रेख में दीपों को सजाने का कार्य शुरू किया। वहीं दूसरी ओर घाट संख्या दस पर राम दरबार व रामायण कालीन आकृतियां उकेरी गई है। दिव्य दीपोत्सव को लेकर सभी स्वयंसेवक गले में दीपोत्सव पहचान–पत्र व सिर पर कैप लगाये हुए है। बीच–बीच में स्वयंसेवकों के द्वारा जयश्रीराम के उदघोष के साथ दीपोत्सव के प्रति इनके उत्साह देखते ही बन रहा है। 23 अक्टूबर छोटी दिपावली के दिन दीपोत्सव को यादगार बनाने के लिए 22 तारीख की दोपहर तक सभी घाटों पर लगभग 17 लाख दीये सज जायेंगे।

दीपोत्सव नोडल अधिकारी व विवि सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने बताया कि अविवि के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में छठा दीपोत्सव एतिहासिक एवं भव्य बनाया जायेगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक काफी उत्साहित है। 37 घाटों पर दीयों को सजाने का कार्य स्वयंसेवकों द्वारा शुरू कर दिया गया है। सभी घाटों पर 17 लाख दीयों को बिछा दिया जायेगा। अगले दिन विश्वविद्यालय, सम्बद्ध महाविद्यालयों व स्वयंसेवी संस्थाओं के 22 हजार स्वयंसेवक तैनात रहेंगे।

समाजसेवी द्वारा नगर में 51 हजार मिट्टी के दियों का वितरण

उन्नाव। इस वर्ष भी प्रतिवर्ष की भांति दीपावली पर समाजसेवी विमल द्विवेदी ने नगर के मिट्टी के 51,000 दीपक कुम्हारों से उनके द्वारा बताए रेट पर खरीद कर आमजन में वितरित किये साथ ही लोगों से स्वदेशी अपनाने की अपील की । उन्होंने कहा आज ऑनलाइन शॉपिंग ने फुटकर दुकानदारों का बड़ा नुकसान किया है।त्योहार हम हिंदुओ का है और पैसे अमेजन जैसे विदेशी प्लेटफार्म कमा रहे है। जबकि हिन्दू समाज मे हमारे पूर्वजों ने हर त्योहार के पीछे हिन्दू समाज के आर्थिक हित का ध्यान रखा था ताकि सभी लाभान्वित हो।दुर्भाग्य से समाज त्योहारों का मूल उद्देश्य भूलकर टेलीविजन की नकल में लगा हैं! यही कारण है कुम्हारी कला जिनका मुख्य त्योहार दीपावली पर मिट्टी के दीपक बनाकर बेचना होता था वो अब बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहे है !क्योंकि समाज झालरों से घर जगमग कर रहा व समाज द्वारा खरीदारी भी ऑनलाइन करने से फुटकर दुकानदार परेशान है जिनका किराया,बिजली का बिल आदि निकलना तक मुश्किल होता जा रहा है।

जोरदार जवाबी कीर्तन का आयोजन, बराबरी पर छूटा मुकाबला

बिसवां नगर (सीतापुर)। नव दुर्गा जागरण समिति की ओर से जोरदार जवाबी कीर्तन का आयोजन रंजीत राज और रतिराम ज्ञानी के बीच संपन्न हुआ। यह मुकाबला बराबरी पर छूटा। श्रोताओं ने कीर्तन का रात भर आनंद लिया। कस्बा बिसवां में गंगा जमुनी तहजीब की अनेकों मिसालें कायम हैं। जोरदार जवाबी कीर्तन के दौरान गंगा जमुनी तहजीब कलकल कर बहती दिखी। यहां कीर्तन का हिंदू मुस्लिम धर्मावलंबियों ने मिलजुल कर श्रवण किया। नव मां दुर्गा समिति, अमरनगर द्वारा मां दुर्गा मंदिर परिसर में जोरदार जवाबी कीर्तन सम्पन्न हुआ। इसमें प्रयागराज के रणजीत राज व संडीला के रतिराम ज्ञानी के बीच मुकाबला हुआ। इससे पूर्व मां दुर्गा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी पुष्पू जायसवाल द्वारा कीर्तन का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि जवाबी कीर्तन को लेकर बाबा विश्वनाथ की नगरी बिसवां का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। पुरातन संस्कृति से जुड़े धार्मिक आयोजनों से धर्म के प्रति निष्ठा के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही भौतिकतावदी युग के बीच आमजन में आध्यात्मिकता का संचार होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में ऐसे आयोजन धर्म के प्रति जागरूकता लाते हैं।उन्होंने कहा कि यहां गंगा जमुनी तहजीब कणकण में बिखरी हुई है। यहां गंगा जमुनी तहजीब की रवायत आज भी कायम है। इसका संचालन आयोजक कीर्तनकार विजय कुमार बाजपेयी ने किया। कीर्तनकार रणजीत राज प्रयागराज एवं कीर्तनकार रतिराम ज्ञानी ने कीर्तन को ऊंचाइयां प्रदान की। मुख्य अतिथि पुष्पू जायसवाल, बाबा प्रेम नारायण दास, मुनौव्वर मैकू खां एवं अशेष श्रीवास्तव का माल्यार्पण, रजत मुद्रा, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र प्रदान कर आयोजक विजय कुमार बाजपेयी, सुशील मिश्रा,गजेंद्र शुक्ला एवं संयोजक मूल बाबू बोरा वाले द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रमुख समाजसेवी गजेन्द्र शुक्ला, राजेन्द्र बाजपेयी, सुरेश अवस्थी, इसरार, पवन मिश्रा, अनूप श्रीवास्तव, सभासद रामनारायण मिश्रा, आशीष मिश्रा,आशुतोष तिवारी, अतुल त्रिवेदी, गौरव बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में कीर्तन प्रेमी मौजूद रहे।

टप्पेबाजी का शिकार दूकानदार

मिल्कीपुर–अयोध्या। थाना इनायतनगर के कुचेरा बाजार में रामपाल ज्वैलर्स की दुकान से टप्पेबाजों ने दो लाख मूल्य की ज्वैलरी को उड़ाया। पीड़ित दुकानदार महेश कुमार कौशल पुत्र रामपाल ने थाना इनायतनगर पहुंचकर तहरीर देते हुए बताया कि बृहस्पतिवार दिन में 12:50 बजे वह एक आवश्यक कार्य से अपनी दुकान से सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक दूसरी दुकान पर गया था।

तभी दो अज्ञात युवक सामान खरीदने उसकी दुकान पर आए और कहा कि उन्हें चार पीतल का लोटा लेना है तब दुकान में मौजूद उसकी पत्नी घर के अंदर से पीतल का लोटा लाने गई इसी बीच मौका पाकर दोनों टप्पेबाजो ने दुकान में रखे सोने–चांदी की ज्वेलरी के डिब्बों को झोले में भरकर यह कहते हुए निकल गए की लोटा निकाल कर रखो अभी हम अभी वापस आ रहे हैं।

सपा के क्षेत्रीय विधायक समेत कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पांच नंबर चौराहा स्थित मैदान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मिल्कीपुर विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि उनके निधन से समाजवादी पार्टी ही नहीं बल्कि देश के समाजवादी आंदोलन को अपूर्णनीय क्षति हुई है। अवधेश प्रसाद ने उनके के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने किसानों और जवानों के लिए बहुत ऐसे कार्य किए, जिन्हें उनके जाने के बाद किसान याद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए 37 महीने बिजली का बिल, किसानों के निजी नलकूपों का बिल माफ किया था। जवानों के लिए रक्षा मंत्री के पद पर रहते हुए तनख्वाह में भारी वृद्धि की थी और जवान शहीद होने के बाद डेड बॉडी को राजकीय सम्मान के साथ घर पहुंचाने की व्यवस्था उन्होंने ही शुरू कराई थी। वह एक साधारण किसान परिवार से राजनीति में मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री के पद तक संघर्षों से पहुंच पाए। धरतीपुत्र के नाम से जाने वाले राजनीति का एक अध्याय समाप्त कर चले गए। श्रद्धांजलि सभा में सपा जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव, जिला महासचिव बख्तियार खां, जिला उपाध्यक्ष मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड सिराज अहमद, विधानसभा अध्यक्ष मिल्कीपुर पृथ्वीराज यादव, मदन यादव, छोटे लाल यादव, माखन लाल यादव, शकील अहमद, सुजीत यादव, शैलेंद्र शर्मा, विनीत शुक्ला, छोटू सिंह, यदुनाथ, जय सिंह राणा, प्रदीप यादव, राम दुलारे, हरिराम कोरी, रामधीरज, सुनील पाल, रामजी पाल, शशांक शुक्ला समेत बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाईचारा और जाति धर्म की राजनीति को दूर करना ही कांग्रेस की पदयात्रा का है मुख्य उद्देश्य : सुधा द्विवेदी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लालगंज– रायबरेली। कांग्रेस द्वारा जनजागरण, भाईचारा व लोकतंत्र रक्षार्थ पद यात्रा का आयोजन किया गया है,जिसके द्वारा बारह राज्यों और दो केंद्र शासित राज्यों से गुजर कर 150 दिनों में 3750 किलोमीटर की यात्रा होना निश्चित है, यह जानकारी देते हुए सरेनी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी कांग्रेसी नेत्री सुधा द्विवेदी ने बताया कि रायबरेली जनपद में जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में भी भारत जोड़ो यात्रा निरंतर चल रही है ।पहले बछरावां विधानसभा क्षेत्र उसके बाद हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र होते हुए यात्रा सरेनी विधानसभा क्षेत्र के नगर लालगंज पहुंची है। वहीँ गुरुवार रात 8 बजे पदयात्रा सरेनी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस का चुनाव लड़ चुकी सुधा द्विवेदी की अगुवाई में सरेनी से चलते हुए बेहटा कला के रास्ते नगर लालगंज पहुंची। जहां पर हजारों की संख्या में लोगों ने कांग्रेस पदयात्रा में शिरकत कर यात्रा का खैरमकदम किया । रात विश्राम के बाद शुक्रवार सुबह कांग्रेश नेत्री एवं सरेनी पदयात्रा संयोजिका सुधा द्विवेदी के नेतृत्व में पदयात्रा राष्ट्रीय गीत के उद्बोधन के बाद निकली। लालगंज भ्रमण के बाद कांग्रेस के नेताओं ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

उसके बाद पदयात्रा बहाई होते हुए डलमऊ की ओर रवाना हुई जहां पर यात्रा के दौरान आमजनमानस से कांग्रेस के साथ आने का आवाहन किया गया। लालगंज में जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, सुधा द्विवेदी, अतुल सिंह ,सुशील पासी , ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि भारत जोड़ो यात्रा का मकसद देश में फैली नफरत को दूर करना है। लोगों को एक दूसरे से जोड़कर कांग्रेस के हाथों को मजबूत करना एवं 2024 में भारतीय जनता पार्टी को उखाड़ फेंकना ही प्रमुख उद्देश्य है।ऊंचाहार से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अतुल सिंह ने कहा भाजपा झूठ और नफरत के सहारे उत्तर प्रदेश में और देश में दूसरी बार सरकार बनाने में कामयाब हुई, पर 2024 में कांग्रेस ही सरकार बनाएगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दीपेंद्र गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा कर लोगों के बीच में जो विश्वास पैदा कर रहे हैं उसका असर 2024 के चुनाव में देखने को मिलेगा। पदयात्रा में कॉंग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी,पूर्व मंत्री सुरेंद्र विक्रम सिंह, ऊंचाहार विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अतुल सिंह, सुशील पासी , जिला महामंत्री महेश शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी मनोज द्विवेदी, सरेनी मंडल प्रभारी दीपेंद्र गुप्ता, फारुख राणा, राधेश्याम सिंह, बबलू तिवारी सरेनी विधानसभा प्रभारी संतोष त्रिवेदी आदि सैकड़ों कार्यकर्ता व जनमानस मौजूद रहा।

एसडीएम ने तोड़ी पद की मर्यादा, कोटेदार की लात घूसों से की पिटाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। तहसील में गुरुवार को देर शाम एसडीएम अजय कुमार सिंह ने पद की गरिमा को भुलाते हुए सारी मर्यादा तोड़ दी और आपूर्ति कार्यालय में मौजूद एक कोटेदार को एसडीएम उनके अर्दली व कर्मचारियों ने जमकर पीटा। एसडीएम ने आपूर्ति निरीक्षक पर गंभीर आरोप लगाये। क्षेत्रीय विधायक कोटेदार के समर्थन में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर बवाल काटा। शुक्रवार को कोटेदार संघ के प्रदेश स्तरीय नेताओं ने पहुँचकर सैकड़ों कोटेदारों के साथ तहसील के घेराव करते हुए एसडीएम के विरुद्ध जमकर नारे बाजी की। हीरपुर के उचित दर विक्रेता राम सहारे यादव का आरोप है कि आज वह सिधौली आपूर्ति कार्यालय में एक कार्य से आए हुए थे। आपूर्ति निरीक्षक मंजूषा यादव उन्हें बैठने को कहकर चली गई। शाम को 6 बजे जब वह वापस आई तो उन्होंने कहा कि मेरे साथ ऑफिस में चलो मेरा पर्स वहीं पर रखा है। वहां से ले ले वही पर बात हो जाएगी। इस दौरान फाइल पर आदेश की बात पूछने के लिए वह उन्हें कमरे में छोड़कर उप जिलाधिकारी से मिलने चली गई। इसी दौरान उप जिलाधिकारी के कर्मचारी ड्राइवर व होमगार्ड आ गए और उसे पीटने लगे। उसके बाद एसडीएम अजय कुमार सिंह भी वहां पर पहुंच गए और उन्होंने भी कोटेदार राम सहारे को जमकर पीटा। कोटेदार का कहना था कि एसडीएम ने मंजूषा यादव आपूर्ति निरीक्षक पर भी जमकर आरोप लगाए और उन्हें भद्दी भद्दी गालियां भी दी।

घटना की जानकारी होने पर क्षेत्रीय विधायक मनीष रावत भारी मात्रा में पुलिस बल और उनके समर्थक पहुंच गये। कोटेदार का यह भी कहना था कि एसडीएम द्वारा उनसे अपने कमरे में जबरदस्ती अपने मनमर्जी के बयान लिखवा लिए गये। वहीं उप जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह का कहना है मंजूषा यादव आपूर्ति निरीक्षक के गैर मौजूदगी में कोटेदार आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय में रखी किसी फाइल का फोटो खींच रहा था। जिसका उन्होंने अपने कमरे में रखे सीसीटीवी फुटेज में जब देखा तो अपने ड्राइवर और होमगार्ड को उसे रोकने के लिए भेजा और उसे बुला लेने को कहा। एसडीएम अजय कुमार सिंह मीडिया के सामने भी की मंजूषा यादव की संदिग्ध कार्यशैली के चलते उन्होंने उन्हें चेतावनी दी। कोटेदार के अनुसार

आधुनिकता के दौर ने कही न कही मिट्टी के दियो की जगह झालरों ने ले ली

उन्नाव । शहरों में भले ही मिट्टी के दियों की जगह झालरों ने ले ली है। लेकिन गांवों में पैत्रक परम्परागत मिट्टी के दिये ही जलाए जाते है।बुजुर्गों ने बताया है कि मिट्टी के दिये अगर न जलाए जाएं तो दिवाली शुभ नहीं मानी जाती है।हालांकि अब गांवों में भी दीपक की जगह झालरों ने ले ली हो। परन्तु दीपक आज भी अपना स्थान बनाए हुये है।गांव के लोग मन्दिरों में आज भी मिट्टी के ही दीपक जलाकर रखतें है।दीपावली का त्योहार भले ही अब लगभग चार दिन ही बचा है लेकिन कुम्हारों ने मिट्टी के दिये,कोषा, परइ,कोहा,भोंपू, तराजू,मटकी आदि बनाना व रंगना शुरू कर दिया है। क्षेत्र के गांव समसापुर भूड़ निवाशी जुगराम प्रजापति, ऊगू निवासी अन्तू व शेरपुर अछिरछा,दोस्तपुर शिवली , गढ़ी, फतेहपुर चौरासी सहित कुम्हारों के चाक तेजी के साथ चलते नजर आ रहे है। ग्राम समसापुर भूड़ निवाशिनी रामकली प्रजापति ने बताया कि मिट्टी के दियों की मांग तो कम हुई है लेकिन अभी खत्म नहीं हुई है। चाय के कुल्लणो की जगह भले ही प्लास्टिक के गिलाशों ने ले ली है। वही गायों को चारा खिलाने वाली नान्दी का प्रयोग मिट्टी की जगह सीमेंट व मौरंग से निर्मित नान्दी ने ले ली है। अब लोग घरों में मांगलिक कार्यक्रमो में ही मिट्टी के बर्तन खरीदते है। दिवाली पर दीपक की खरीद दारी भी लोग करते जरूर है। 25 या 50 दीपक अपने अपने घरों में जलाते जरूर है। मांग न होने की वजह से मिट्टी के बड़े बर्तन जैसे नांद, कूड़ा, आदि बनाना बन्द कर दिया है।कुम्हार की कला अब हर तरफ से निष्फल नजर आ रही है जहाँ एक ओर लोगो ने रास्ता निकाल लिया है। तो वही दूसरी तरफ माटी मिलने की भी भारी किल्लत हो गई है।पूर्वजो से चली आ रही इस कला से अब पेट पालना मुश्किल हो गया है। त्योहारों को छोड़ कर बांकी दिनों में मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करना पड़ता है। पहले गर्मी के मौषम में हमारे बनाये हुये बर्तनों की बिक्री अच्छी हो जाती थी। अब वह भी बंद हो गई है।

मंडलायुक्त ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ । शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के नामित नोडल अधिकारी मंडलायुक्त मनीष चौहान ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु जनपद में चलाए जा रहे बचाव एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बैठक के दौरान बताया कि वर्तमान में घाघरा नदी का जलस्तर 69.85 मीटर है जो खतरे के निशान से 0.05 मीटर नीचे है। उन्होंने बताया कि जनपद में बाढ़ के कारण घोसी एवं मधुबन तहसील के कुल 51 गांवो के 4039 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इस दौरान 7658 परिवारों के 38280 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। कुल 126 परिवारों के 613 लोगों को जनपद में स्थापित अस्थाई 12 आश्रय स्थलों में निवासित कराया गया। बाढ़ के दौरान कुल 3 स्थानों पर कम्युनिटी किचन चलाए जा रहे हैं, जहां पर लोगों को भोजन और पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा रहा है साथ ही 3344 परिवारों को अब तक बाढ़ राहत सामग्री का वितरण कराया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य हेतु कुल 120 नावें तथा 02 स्टीमर नावे लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था की गई है। लोगों को शुद्ध पानी के लिए क्लोरीन की गोलियां एवं बीमारियों से बचाव हेतु दवाओं का वितरण भी कराया गया है। बाढ़ से बचाव हेतु जनपद में एक कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है जो 24 घंटे क्रियाशील है। इसके अलावा जनपद, ब्लॉक एवं ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंधन समितियों का भी गठन किया गया है,जिनकी कई बैठकें भी आयोजित की जा चुकी है। बाढ़ राहत कैंपों में सफाई कर्मियों द्वारा नियमित सफाई, एंटी लारवा कीटनाशक दवा एवम् ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। स्वास्थ विभाग द्वारा बच्चों, गर्भवती महिलाओं, वृद्ध जनों के टीकाकरण एवं पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता तथा नियमित रूप से कीटनाशक दवाइयों, चूने आदि का भी छिड़काव किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं का टीकाकरण एवं प्रत्येक बाढ़ चौकियों पर पशु चिकित्सा अधिकारी एवम् पशुधन प्रसार अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है, जो प्रभावित पशुओं का चिकित्सा उपचार भी कर रहे हैं। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया बाढ़ के दौरान किसी भी तरह की जन एवं पशु हानि का कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है। जिला एवं तहसील प्रशासन द्वारा बाढ़ पर सतत निगरानी की वजह से किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना जनपद में घटित नहीं हुई। मंडलायुक्त ने आश्रय स्थलों में रह रहे लोगों के लिए कम्युनिटी किचन का संचालन अनवरत जारी रखने को कहा, साथ ही बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए गांव स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ से हुए फसलों के नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने को कहा साथ ही बाढ़ के दौरान टूटी सड़कों के मरम्मत एवं बिजली की सप्लाई अबाध रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बांधो में रिसाव की चर्चा

पर्यटक पुलिस थानों की स्थापना पर फिर मंथन

मथुरा। ब्रज क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढावा देने के लिए लगातार योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा रहा है। पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इसके साथ चुनौतियां भी बढ रही हैं। पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा का मुद्दा भी शामिल है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की अध्यक्षता में मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के सभागार में मुख्यमंत्री की सात जून को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हुई बैठक में लिये गये निर्णयों के संबंध में समीक्षा की गई। गोवर्धन कनेक्ट परियोजना, ब्रज तीर्थ पथ परियोजना, मथुरा वृन्दावन रेल बस मार्ग के स्थान पर यातायात के वैकल्पिक साधन विकसित करने, सिटी फॉरेस्ट सौभरि वन परियोजना, पर्यटन पुलिस थानों की स्थापना, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के कार्यों को संपादित करने में एमवीडीए को कार्यदायी संस्था नामित करने, परिषद को एफसीआरए के अन्तर्गत पंजीकृत करने, राया यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा राया अर्बन नोड बनाये जाने आदि के संबंध में चर्चा हुई। जनपद में पर्यटन और रिवर पुलिस पहले से ही अस्तित्व में है।

जेल से निकल श्रीकांत ने जाहिर किए राजनीति के अरमान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा । नोएडा की ओमेक्स सिटी में महिला से बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद गिरफ्तार किए गए श्रीकांत त्यागी गुरुवार की शाम जेल से रिहा हो गया। गैंगस्टर के मामले में सोमवार को श्रीकांत को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। इसके बाद गुरुवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे श्रीकांत की गौतमबुद्ध नगर जिले की लुक्सर जेल से रिहाई हुई। जेल से रिहा होने के बाद श्रीकांत ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी स्थित अपने फ्लैट के लिए रवाना हो गया। जेल से छूटने के बाद श्रीकांत त्यागी ने अपने समाज का आभार जताया है। उसने कहा कि समाज ने इस संकट की घड़ी में उसका साथ दिया, जिसके लिए वह अपने पूरे समाज का आभारी है।परिजनों ने घर पर किया स्वागत सोसाइटी में उसकी पत्नी अनु त्यागी आरती का थाल लेकर उसका इंतजार कर रही थी। जहां पर परिवारजनों और उसके करीबियों ने फूल बरसाकर स्वागत किया और उसकी रिहाई पर खुशी जताई। जहां पर कुछ लोगोंने नारेबाजी कर भी स्वागत किया। यहां पर श्रीकांत ने एक बार फिर से अपने समाज का आभार जताते हुए समाज को सर्वोपरि बताया और राजनीति के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह राजनेता हैं तो राजनीति में तो सक्रिय रहेंगे ही, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या वह भाजपा में हैं तो इस पर उनका जवाब था कि इसको लेकर वह अपने लोगों से बात कर इस संबंध में बड़ा निर्णय लेंगे और उसके बाद ही घोषित करेंगे।जेल के आसपास नहीं दिखे समर्थक श्रीकांत त्यागी के समर्थक उसके स्वागत की तैयारी कर रखी थी, उन सभी का मानना था कि शुक्रवार को श्रीकांत की जेल से रिहाई होगी और वहां से वह रोड शो के साथ श्रीकांत को घर तक लाने की तैयारी कर रहे थे, इसके लिए समाज के लोगों के द्वारा विभिन्न व्हाट्स एप ग्रुप और सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से लोगों से अपील की जा रही थी कि वह श्रीकांत की रिहाई के लिए जेल पर पहुंचें। जिसको देखते हुए पुलिस ने भी पूरी तैयारी की थी लेकिन उनके तय प्लान से एक दिन पहले ही रिहाई हो जाने से समर्थकों के अरमान पूरे नहीं हो सके।

संक्षिप्त खबरे

पाक्सो एक्ट में हुई चार वर्ष की सजा

चित्रकूट। विशेष न्यायाधीश पाक्सोध्अपर सत्र न्यायाधीश संजय के लाल ने फूलचन्द्र रैदास पुत्र चन्द्रशेखर रैदास निवासी नकेहली थाना राजापुर को चार वर्ष के कारावास व दस हजार रुपये के जुर्माना से दंडित किया है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर न्यायालय में लम्बित मुकदमों की पैरवी को थानाध्यक्ष राजापुर दीपेन्द्र कुमार सिंह व पैरोकार आकाश कुमार यादव ने राजापुर थाने में दर्ज अपराध संख्या 47ध्2019 धारा 354 व 506 आईपीसी तथा पाक्सो एक्ट के आरोपी फूलचन्द्र रैदास निवासी नकेहली थाना राजापुर के मामले में समय से गवाहों की पेशी कराई। विशेष लोक अभियोजक व पाक्सो तेजप्रताप सिंह ने व बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने प्रभावी बहस की। नतीजतन अपर सत्र न्यायाधीश संजय के लाल ने आरोपी फूलचन्द्र रैदास को दोषी करार देते हुए चार वर्ष का कारावास व दस हजार रुपये जुर्माना से दंडित किया।

अनियंत्रित बाइक ने पिकअप में मारी जोरदार टक्कर तीन गम्भीर रूप से घायल

मधुबन, मऊ । मधुबन थाना क्षेत्र के मधुबन कस्बा बाजार में अनियंत्रित बाइक ने पिकअप में जोरदार टक्कर हो जाने से तीन गम्भीर रूप से घायल हो गये। आनन फानन में आस पास के लोगो ने तीनों घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। शुक्रवार की शाम को मधुबन बेल्थरा मार्ग के मधुबन कस्बा बाजार में मधुबन के तरफ से एक बाइक पर तीन सवार होकर बेल्थरा के तरफ जा रहे थे। इसी दौरान पिकअप के आमने सामने में जोरदार टक्कर हो जाने पर तीन युवक गम्भीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों के मदद से नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया।

अवैध मिट्टी खनन एवं परिवहन में तीन ट्रैक्टरों को ट्राली सहित किया जप्त

मऊ । उप जिलाधिकारी सदर हेमंत चौधरी ने ग्राम राघोपट्टी (बांध रोड) पर तीन ट्रैक्टर एवं उनकी ट्रालियों को जप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम राघोपट्टी (बांध रोड) पर इन ट्रैक्टर द्वारा ट्रालीओं में मिट्टी को ढोने का कार्य किया जा रहा था। पूछ– ताछ के दौरान ट्रैक्टर चालकों द्वारा मिट्टी खनन से संबंधित कोई भी अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर इसे जप्त करने की कार्यवाही की गई। मिट्टी खनन से संबंधित कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने के कारण दो स्वराज ट्रैक्टर (मय ट्राली) तथा इंडो ट्रैक्टर मय ट्राली को जप्त कर प्रभारी निरीक्षक थाना सराय लखंसी को अपनी अभिरक्षा में रखने के निर्देश उप जिलाधिकारी सदर द्वारा दिए गए।

खांडसारी निरीक्षकों ने वाट्स एप ग्रुप पर नहीं डाले फोटो, नोटिस जारी

मेरठ। उप चीनी आयुक्त ने परिक्षेत्र के सभी खांडसारी निरीक्षकों को नोटिस जारी करते हुए तीन दिवस में स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। उप चीनी आयुक्त ने कहा कि गन्ना व चीनी आयुक्त के निर्देश हैं कि जब तक नौ प्रतिशत परता न आ जाए तब तक इकाई का संचालन न किया जाए। रात्रि में भ्रमण करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि बिना नौ प्रतिशत परता प्राप्त किए इकाई संचालित नहीं हो रही हैं।
निर्देश जारी किए गए गन्ना एवं चीनी आयुक्त के निर्देश हैं कि इस संबध में अधिक्षेत्र के शुगर फैमिली वाट्स एप ग्रुप पर भी बंदी का फोटो उपलब्ध कराया जाए। लेकिन 17 अक्टूबर की रात्रि में किए गए खांडसारी इकाईयों के निरीक्षण संबंधी फोटो वाट्स एप ग्रुप में उपलब्ध नहीं कराए गए। इस संबंध में तीन कार्यकारी दिवस के अंतर्गत स्पष्टीकरण अनिवार्य रूप से सहायक चीनी आयुक्त के माध्यम से कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अलग अलग स्थानों पर मिले तीन शव

मथुरा । अलग अलग स्थानों पर तीन शव मिले हैं। शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मथुरा थाना गोविंद नगर के अंतर्गत एलीट स्कूल के समीप रोड किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। सूचना पर चौकी प्रभारी मसानी ने मौके पर पहुंच शव पोस्टमार्टम को भिजवा दिया। शव के पास इंजेक्शन मिलने पुलिस ने शक जाहिर किया है कि अधिक नशा से मौत संभव है। वहीं गोवर्धन के राधाकुंड परिक्रमा में अलग अलग स्थानों पर दो श्रद्धालुओं की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उज्ज्वल ब्रज जन सुविधा केंद्र के निकट व दूसरा मामला गिरिराज मंदिर के पास का है। शुक्रवार को राधाकुंड परिक्रमा मार्ग उज्जवल सूरत से आए श्रद्धालु विट्ठल (63) पुत्र लिंभा की मौत हो गई। विट्ठल के साथी नरोत्तम ने बताया कि वे लोग ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा लगाने आए थे। वहीं दूसरी घटना बंबा स्थित गिरिराज मंदिर के निकट अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

चिकित्सकों की टीम ने एंबुलेंस से जिला अस्पताल में कराया भर्ती

मथुरा। जिलाधिकारी कार्यालय पर अपनी शिकायत लेकर पहुंची महिला अचानक बेहोश होकर गिर पडी। सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस और चिकित्सकीय टीम मौके पर पहुंची और महिला को प्रथम उपचार देने के बाद एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। खबर लिखे जाने तक महिला की हालत में सुधार था। जिला चिकित्सालय में होश में आने के बाद महिला ने बताया कि उनका नाम ललिता शर्मा है और राजकीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। फिलहाल उनका अटैचमेंट सकराया के राजकीय विद्यालय में है। उन्होंने बताया कि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका उन्हें प्रताड़ित कर रही हैं। इसकी शिकायत करने वह जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची थीं।

अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भागकर छात्र ने बचाई जान !

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में पढ़ने वाला एक छात्र अपने घर आ रहा था। फिर बीच रास्ते में ही उसका अपहरण कर लिया गया। देर शाम तक जब छात्र घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसकी तलाश करने लगे। लेकिन छात्र का पता नहीं चल सका। जिस पर परिजनों ने घटना की लिखित शिकायत पुलिस को दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।भिती गांव निवासी करण कुमार पुत्र रामफल प्रयागराज में पढ़ता था। 17 अक्टूबर की शाम को वह घर के लिए मदुवाडीह पैसेंजर ट्रेन पकड़कर प्रयागराज से घर जा रहा था। झूसी पहुंचकर उसने अपने परिवार से कहा कि मैं झूसी आया हूं। मैं जल्द ही घर पहुंचूंगा। लेकिन जब वह देर रात तक अपने घर नहीं पहुंचा तो परिजन किसी अप्रिय घटना की आशंका से छात्र की इधर–उधर तलाश करने लगे. लेकिन

छात्रा का कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद परिजनों ने झूसी कोतवाली में लिखित शिकायत की. अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर छात्रा ने बचाई जान अगली सुबह जब छात्र को होश आया तो उसने देखा कि वह चार पहिया बोलेरो वाहन में बंद है। इसके बाद उसने अपना मोबाइल निकाला और परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की, तब तक अपहरणकर्ता उसके पास आए और नशीला पदार्थ सुंघाकर उसे फिर से बेहोश कर दिया. जब उसे होश आया तो उसने देखा कि वह घने जंगल में खड़ा है और चारों अपहरणकर्ता कार से उतरकर आपस में बात कर रहे थे। मौका देख छात्र दूसरी तरफ का दरवाजा खोलकर धीरे–धीरे निकल गया और काफी देर तक दौड़ता रहा। अपहरणकर्ताओं ने कुछ दूर तक छात्रा का पीछा किया लेकिन छात्र अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर शहर की ओर निकल गया. बनारस शहर में मिला छात्र, पेट पर बने थे खोल के दो निशान !
शहर में आकर उसने एक ऑटो चालक से पूछा कि यह जगह कहां है जिसके बाद ऑटो चालक ने बताया कि आप वाराणसी में हैं. तब छात्र ने अपने परिवार को फोन कर बताया कि मैं वाराणसी में हूं, वाराणसी में पाए जाने की सूचना पर परिजन चेतगंज कोतवाली के पास पहुंचे और लापता छात्र को सकुशल बरामद कर लिया।

शहीदों को याद कर एसपी ने दी सलामी

चित्रकूट। पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद स्मारक पुलिस लाइन में कर्तव्य के पथ पर शहीद होने वाले जांबाज पुलिस कर्मियों को नमन कर श्रद्धांजलि दी गई।शुक्रवार को पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस लाइन परिसर स्थित शहीद स्मारक में पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा ने कर्तव्य के पथ पर शहीद पुलिस जवानों को याद किया। सितम्बर 2021 से अगस्त 2022 में शहीद हुए सात पुलिस जवानों के नाम पढकर सुनाया। शहीद स्मारक में पुष्प अर्पित करते हुए शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि के बाद गार्ड आफ आनर देकर सभी परेड कर्मियों ने शहीद पुलिस जवानों को शोक सलामी देकर दो मिनट का मौन धारण किया।इस मौके पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय, सीओ राजापुर भाष्कर वर्मा, सीओ लाइन शिवप्रकाश सोनकर, सीओ एलआईयू अनुज मिश्रा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी यतीन्द्रनाथ उमराव, पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षु राजकमल, प्रतिसार निरीक्षण सुमेर सिंह, प्रभारी मीडिया सेल विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

नेताजी स्व मुलायम को सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

चित्रकूट। सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री ,रक्षामंत्री,नेताजी स्व मुलायम सिंह यादव के निधन पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर शोकसभा सपा जिला कार्यालय एवं भुंइहरीमाफी गांव में की गई। शोकसभा में सपाइयों ने भावुक होकर श्रद्धा–सुमन अर्पित किये।शुक्रवार को सपा जिला कार्यालय में नेताजी स्व मुलायम सिंह यादव के निधन पर श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने कहा कि उनके पिता स्व राजबहादुर के नेताजी से जुडे तमाम संस्मरण हैं। उन्होंने भावुक होकर श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सपाई मेहनत कर देश की राजनीति में सपा को अहम भूमिका दिलाने का कार्य करे।संचालन करते हुए सपा नेता अनिल शर्मा, गौरीशंकर मिश्र, माताप्रसाद कुशवाहा, फूलचन्द्र करवरिया, राजेन्द्र शुक्ला, मो गुलाब खां, दिनेश सिंह, सत्यनारायण पटेल, जागेश्वर यादव आदि ने विचार व्यक्त किये। शोकसभा में राजाराम यादव, दादू भाई, चन्द्रभान यादव, पवन ओझा, रमा देवी, राधेश्याम निषाद, संतोष यादव, सियाराम गुप्ता, मुन्ना सोनकर, घनश्याम यादव, सीताराम कश्यप, रामचन्द्र वर्मा, कैलाश बौद्ध समेत तमाम सपाई मौजूद रहे।

माडल के साथ जिम में छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी

मेरठ। मेरठ में लालकुर्ती के आरजी कालेज के समीप जिम में महिला माडल के साथ छेड़छाड़ की गई। पीडिघ्त ने आरोपित के खिलाफ थाने में मामले की तहरीर दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जिम की सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है।देहलीगेट थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती मुबंई में माडलिंग करती है। युवती हाल में लालकुर्ती थाना क्षेत्र में आरजी कालेज स्थित जिम में प्रैक्टिस कर रही है। बताया जाता है कि जिम में प्रैक्टिस करने जाने वाले विजय नगर के गौरव ने महिला माडल के साथ छेड़छाड़ कर दी। महिला ने आरोपित की छेड़छाड़ का विरोध किया। उसके बाद आरोपित ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली। छेड़छाड़ की दी तहरीर पीडिता ने आरोपित के डर से जिम में आना छोड़ दिया है।

खाने को मिलेगी गन्ना जलेबी और पीने को गन्ना चाय

मेरठ। मेरठ में गन्ना जलेबी, गन्ना चाय और घर लाने को गन्ना बर्फ। पानी–पूरी में चटपटे पानी की जगह गन्ने का रस। गन्ना जलेबी ना केवल मोमोज की तरह पकाकर खाई जा सकेगी बल्कि इमली की चटनी के साथ यह और स्वाद बढ़ाएगी। गन्ने के रस से बनी लेमन टी भी जायका बदलने को तैयार है। घर पर गन्ने के रस की खीर बनाने के लिए आपको एक, तीन और पांच किलो साइज में गन्ना बर्फ मिल सकेगा। इसे आप अपने फ्रिज में स्टोर करते हुए अपनी पंसद के अनुसार प्रयोग कर सकेंगे।गन्ने से केवल गुड़, शक्कर, खांड के अतिरिक्त उक्त नए उत्पाद पेश करने का यह काम किया है विजयपाल सिंह ने। लावड़ के गांव अंदावली निवासी विजयपाल सिंह बीए और आईटीआई उत्तीर्ण हैं। सात साल प्राइवेट कंपनी में जॉब की।
बाद में वे सुभाष पालेकर के संपर्क में आए और प्राकृतिक खेती शुरू की। उत्पाद निर्माण के लिए पूसा सहित विभिन्न संस्थाओं से ट्रेनिंग ली। विजयपाल के अनुसार, गन्ना जलेबी, गन्ना बर्फ दिवाली बाद बाजार में मिलने लगेगी। वे मोदीपुरम में अपना स्टॉल शुरू करने जा रहे हैं। विजयपाल की गन्ना जलेबी इमली की चटनी के साथ छाई रही। विजयपाल इन उत्पादों को बनाने के लिए देशभर के किसानों को ऑनलाइन ट्रेनिंग भी दे रहे हैं।20 रुपये में 10–15 गन्ना जलेबीविजयपाल सिंह के अनुसार इन पदार्थों को बनाने के लिए सबसे पहले साफ गन्ना चुना जाता है।
फिर विभिन्न यंत्रों के जरिए इसे छीलते हुए इसके पीस तैयार होते हैं।

यम द्वितीया स्नान की तैयारियों में जुटा प्रशासन, अधिकारियों ने निरीक्षण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मथुरा। यम द्वितीया स्नान पर्व की व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी पुलकित खरे, एसएसपी अभिषेक यादव और नगर आयुक्त अनुनय झा ने विश्राम घाट, श्याम घाट, रामघाट और बंगाली घाट आदि घाटों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन के लिए तीन दिन का समय दिया। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने यमुना घाटों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने आगामी यम द्वितीया पर्व को लेकर व्यवस्थाओं के संबंध में सुझाव मांगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जो कुछ कमियां है, उन्हें तीन दिन में सही करा लें। जितने भी श्रद्धालु यहां आए, उनको किसी प्रकार की असुविधा न हो। घाटों के दोनों ओर बेरीकेडिंग की जाए, पर्याप्त संख्या में गोताखोर मौजूद रहें, नगर निगम के कर्मचारी भी तैनात होंगे। कंट्रोल रूम बनेंगे, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी तैनात रहेंगे। पुलिस व्यवस्था भी चाक चौबंद रहेगी। पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी रहेंगे। कंट्रोल रूम में भी पुलिस के अधिकारी रहेंगे। सीसीटीवी कैमरे जो खराब है, उनको सही कराने के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए।
जिस स्थान पर कुछ समय पहले बच्ची बह गई थी, वहां बेरीकेडिंग कराने के लिए नगर निगम को कहा गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि यमुना स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को तीन दिन की समय सीमा दी गई है। निरीक्षण के दौरान बिजली, स्वास्थ्य आदि विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।
श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि इस बार यम द्वितीया का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा और इसमें यात्रियों की संख्या अधिक होने की पूरी पूरी संभावना है।
इसे दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी महोदय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, एसपी सिटी, क्षेत्राधिकारी नगर, कोतवाली प्रभारी, पुलिस चौकी सभी विभागों ने शुरू की पर्व की तैयारियों को लेकर घाटों का निरीक्षण किया और परिषद के द्वारा सभी लाइटों सभी गलियों को गड्ढा मुक्त करने सभी सड़कों को दुरुस्त करने के लिए बात कही और कहा कि किसी भी यात्री को कोई तकलीफ ना हो इसके लिए पर्याप्त पर लगाया जाए।

दूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को दोना-पत्तल एवं पापकार्न मेकिंग मशीन का किया गया वितरण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री राम औतार यादव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि निःशुल्क टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत 10 नग दोना–पत्तल मशीन एवं 8 नग पापकार्न मेकिंग मशीन वितरण किये जाने हेतु प्राप्त हुये थे जिनके वितरण का कार्यक्रम जिला ग्रामोद्योग कार्यालय प्रयागराज में किया गया। इस टूल किट्स वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0 प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के मा0 सदस्य श्री रमाशंकर शुक्ल द्वारा आधुनिक पापकार्न मशीन तथा मोटराइज्ड दोना–पत्तल मशीन का वितरण किया गया। इस अवसर पर मा0 मुख्य अतिथि जी ने अपने सम्बोधन में लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अति पिछड़े वर्गो के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिये कृत संकल्पित है। आज प्रदेश में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार के बहुत सारे अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं आशा करता हूँ कि आप सभी लाभार्थी दिवाली के इस शुभ अवसर पर अपने इस व्यवसाय के माध्यम से खुशहाल दिवाली मनाने में कामयाब होंगे। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ श्रीमती आरती देवी गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, आकाश सोनी, वीरेंद्र कुमार, गंगादीन गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, मजनू, शंकर लाल गुप्ता को पापकार्न मेकिंग मशीन व राम चन्द्र मौर्या, शिवम श्रीवास्तव, अशोक कुमार मौर्या, रविन्द्र नाथ, संजय कुमार, वेदानन्द विश्वकर्मा, सत्येन्द्र कुमार, आकाश कुमार व मुसहर जाति के इन्दो देवी व मौजी लाल मुसहर को दोना–पत्तल मशीन वितरित की गयी। इस अवसर पर विभाग के श्री राकेश मोहन गुप्ता, श्री राम करन दुबे, श्री ओ.पी. मौर्या, श्री सुनील कुमार, श्री राधेश्याम गौतम, श्री अनिल कुमार व अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। शौचालयों के जिओ टैगिंग में 40 प्रतिशत से कम जिओ टैगिंग करने वाले एडीओ पंचायत जसरा, सहसों, धनूपुर और शंकरगढ़ का वेतन रोकने तथा अच्छा कार्य करने वाले एडीओ पंचायत चाका, सोरांव को प्रशस्ति पत्र देने का दिया निर्देश मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में जिला स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने शौचालयों के जिओ टैगिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए 40 प्रतिशत से कम जिओ टैगिंग करने वाले एडीओ पंचायत जसरा, सहसों, धनूपुर और शंकरगढ़ को वेतन रोकने के निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने अच्छा कार्य करने वाले एडीओ पंचायत चाका, सोरांव को प्रशस्ति पत्र देने का निर्देश दिया है। कार्यों में लापरवाही बरतने पर प्रतापपुर के एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा डीपीएम को नोटिस देने के भी निर्देश दिये है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज–2 के अन्तर्गत शौचालय निर्माण हेतु आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति, शौचालय निर्माण हेतु प्रेषित प्रथम किस्त के उपभोग तथा उसके सापेक्ष द्वितीय किस्त की विकास खण्ड द्वारा मांग की प्रगति, शौचालय निर्माण के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष चयनित किये गये पात्र लाभार्थियों को प्रथम एवं द्वितीय किस्त की आवंटित शौचालय निर्माण की धनराशि का अनुमोदन, एस0एल0डब्लू0एम0 के तहत प्रथम चरण में चयनित 38 ग्राम पंचायतों में कराये जा रहे सोखता गड्ढ़ा, खाद गड्ढ़ा, सेग्रिगेशन शेड निर्माण एवं कूडा गाड़ी क्रय की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।